



मुख्यमंत्री ने कहा कि पीडीए का मतलब परिहार डेवलपमेंट अथॉरिटी और प्रॉग्रस डुबाऊ एयरलाइंस है। समाजवादी पार्टी तो घोटेलाँ की सरकार थी। कांग्रेस और उनके सहयोगी दल समाज शिष्टाचार भूल चुके हैं। गली और गलौज से कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। मोदी जी के सम्मान में कोई खिलवाड़ बदरशत नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी राज्य सभा का चुनाव हुआ, लेकिन समाजवादी पार्टी ने एक भी दलित को प्रत्याशी नहीं बनाया। एक सीट पर अखिलेश यादव के चचा जान गए। और दूसरी सीट एक धन्य सेठ को बेच दी।

ताकत से लड़ते रहेंगे। शशि थरूर, अशोक महलोल और हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू समेत कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी विरोध प्रदर्शनों और लोगों को हिरासत में लिए जाने के बीच सरकार पर निशाना साधा। थरूर ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कल्लि में आवाजही की आजादी पूरी तरह से रोक दी गई है। जंतर-मंतर खास तौर पर झूलिए तब किया गया था ताकि नागरिक दल्लि के बीचों-बीच अपनी असहमति जाहिर कर सकें, और आज वहां जाने वाली सड़कों को भी बंद कर दिया गया है।

आइए अयोध्या में हो जाए मुकाबला, मुख्यमंत्री योगी देवनाथ ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को किया चैलेंज

पद आते-जाते रहते हैं, कार्यकर्ता हमेशा रहता है : हेमंत खंडेलवाल

प्रदेश अध्यक्ष ने पुराने नेताओं के योगदान को किया याद, सेवा संकल्प अभियान के कार्यों की सराहना की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराण्ड। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पद आते-जाते रहते हैं, लेकिन कार्यकर्ता हमेशा संगठन की ताकत बना रहता है। संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं का समर्पण, संघर्ष और त्याग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे भाजपा जिला इंदौर ग्रामीण की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संगठन के वरिष्ठ नेताओं के योगदान को याद करते हुए नई पीढ़ी के कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। साथ ही सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की सराहना की।

खंडेलवाल ने जिले के वरिष्ठ भाजपा



नेताओं धनलाल पटेल, निर्भय सिंह पटेल, प्रकाश सोनकर, रामसिंह चौहान, भेरूलाल पाटीदार और कातिलाल जैन सहित अनेक नेताओं के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने

कहा कि भाजपा संगठन की मजबूती वर्षों से कार्यकर्ताओं और नेताओं के परिश्रम, त्याग और समर्पण का परिणाम है। पुराने नेताओं के संघर्ष और अनुभव से प्रेरणा लेकर नई पीढ़ी को संगठन का गतिविधियों और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश के इतिहास और समाज को नई दिशा देने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

नेतृत्व में भारत डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है, वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में विकास कार्यों को गति मिल रही है। आपातकाल का उल्लेख करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि उस दौर में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अनेक यातनाएं सहੀं, लेकिन कांग्रेस के सामने घुटने नहीं टेके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन संघर्षों से प्रेरणा लेते हुए संगठन के प्रति निष्ठा, समर्पण और जनसेवा की भावना के साथ काम करने का आह्वान किया। भाजपा जिला इंदौर ग्रामीण द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की सराहना करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सेवा गतिविधियां संगठन को समाज से

एडिशनल डायरेक्टर ने अशासकीय संस्था संजीवनी का किया अवलोकन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग की एडिशनल डायरेक्टर डॉ. संस्था व्यास द्वारा शुक्रवार को इंदौर के अशासकीय संस्था ‘संजीवनी’ का अवलोकन किया गया। इस दौरान प्रभारी संयुक्त संचालक श्री व्ही. पी. एस. राठौर एवं प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रविशं मंत्री उपस्थित रहे। अवलोकन के दौरान संस्था में कुल 14 बालक पाए गए, जिनमें विशेष आवश्यकता वाले बालक एवं बाल कल्याण की दृष्टि से संरक्षण की आवश्यकता वाले बालक सम्मिलित हैं। इस दौरान संस्था में बच्चों की देखरेख एवं संरक्षण से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। डॉ. संस्था व्यास ने बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के उद्देश्य से पालना (फ़ैडल) व्यवस्था के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पालना व्यवस्था के संबंध में आमजन को जागरूक किया जाना आवश्यक है, ताकि किसी कारणवश अपने शिशु का पालन-पोषण करने में असमर्थ माता-पिता अथवा अन्य व्यक्ति शिशु को असुरक्षित स्थान पर छोड़ने के बजाय निर्धारित पालना व्यवस्था का उपयोग कर सकें। इंदौर की संबंधित बाल देखरेख संस्थाओं में पालना व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से शिशुओं को सुरक्षित वातावरण में संरक्षण उपलब्ध कराने तथा नियमानुसार उनकी देखरेख, पुनर्वास एवं आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाएँ सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। डॉ. व्यास ने निर्देशित किया कि पालना व्यवस्था की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाई जाए, जिससे बच्चों को असुरक्षित परिस्थितियों में छोड़े जाने की घटनाओं को रोकने तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण और उचित संरक्षण उपलब्ध कराने में सहायता मिल सके। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों के सर्वोत्तम हित, सुरक्षा एवं संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए इस दिशा में जन-जागरूकता एवं व्यवस्थाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया जा रहा है।

फरार आरोपी कलंदर शाह की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपये का ईनाम घोषित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारकोटिक्स विंग इंदौर द्वारा मादक पदार्थ एमडी की बरामदगी से जुड़े प्रकरण में फरार आरोपी कलंदर शाह की गिरफ्तारी के लिए 5 हजार रुपये का नगद ईनाम घोषित किया गया है। उप पुलिस महानिरीक्षक, नारकोटिक्स विंग इंदौर श्री कुमार प्रतीक द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में यह उद्घोषणा की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार , 14 अप्रैल 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ग्राम दलौदा रेल, थाना दलौदा, जिला मंसूरी निवासी रुकसार अनवर पिता उस्मान मंसूरी के कब्जे से 74 ग्राम एमडी बरामद की गई थी। इस मामले में अपराध क्रमांक 29/2026 के तहत धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया था। प्रकरण की विवेचना के दौरान रुकसार अनवर एवं अख्तर नवाज खां पठान के कथनों के आधार पर उक्त मादक पदार्थ फरार आरोपी कलंदर शाह पिता अकबर शाह, निवासी अखेपुर, थाना प्रतापगढ़, जिला प्रतापगढ़, राजस्थान से प्राप्त होना बताया गया। इसके आधार पर आरोपी कलंदर शाह के विरुद्ध प्रकरण में धारा 8/29 एनडीपीएस एक्ट का इजाफा किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके निवास स्थान पर कई बार दबिश दी गई तथा फरारी पंचनामा भी तैयार किया गया।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में समग्र सेवा एवं नशामुक्त पर प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला भवन इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. बी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन, नोडल अधिकारी डॉ. वनश्री गोडबोले के निर्देशन में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज एक प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में समाज सेवा, मानवीय मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूकता विकसित करना था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने अतिथि का परिचय एवं आशीर्वाचन करते हुए कहा कि समाज सेवा प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। हमें जरूरतमंदों की सहायता करते हुए अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्रीमती ज्योति प्रतीक श्रीवास्तव ने छात्राओं को समाज सेवा के महत्व तथा नशामुक्त समाज के निर्माण की आवश्यकता पर संबोधित किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि समाज सेवा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की सशक्त अभिव्यक्ति है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके पारिवारिक और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, सकारात्मक गतिविधियों तथा रचनात्मक कार्यों की ओर अभिरस होना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को नशामुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने और समाज में जागरूकता का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की वृद्ध प्रभारी प्रो. मनीषा जोशी तथा समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन एवं आधार प्रदर्शन डॉ. संस्था दावरे ने किया।

स्काउट्स-गाइड्स बने सड़क सुरक्षा के प्रहरी, पलासिया चौराहे पर यातायात पुलिस के साथ संभाला मोर्चा

चौराहे पर यातायात पुलिस के साथ संभाला मोर्चा

वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक, बच्चों की अपील पर नियमों के पालन का लिया संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ इंदौर के कैडेट्स ने यातायात पुलिस के साथ पलासिया चौाहे पर यातायात संचालन में सहयोग किया। इस दौरान कैडेट्स ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करते हुए सड़क सुरक्षा का संदेश दिया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (काइम एवं यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात विक्रम सिंह रघुवंशी एवं यातायात थाना प्रभारी अरविंद दांगी



की उपस्थिति में कैडेट्स को यातायात संकेतों, ट्रैफिक सिग्नल, स्टॉप लाइन, जेब्रा क्रॉसिंग और सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद कैडेट्स ने यातायात पुलिस के साथ मिलकर वाहन चालकों को रेड लाइट होने पर स्टॉप लाइन के पीछे रुकने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया।

साथ ही पैदल यात्रियों को जेब्रा क्रॉसिंग से सड़क पार कराने और आपातकालीन वाहनों के लिए रास्ता सुगम बनाने में भी सहयोग दिया। कैडेट्स की अपील का वाहन चालकों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। बच्चों द्वारा यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश देने पर अनेक वाहन चालकों ने नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। इस पहल के माध्यम से कैडेट्स को यातायात व्यवस्था के संचालन का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और यातायात नियमों के पालन को जन-अभियान का रूप देना है। स्काउट्स एवं गाइड्स के कैडेट्स इस जागरूकता संदेश को विद्यालयों, परिवारों और समाज तक पहुंचाएँगे, ताकि अधिक से अधिक लोग यातायात नियमों के प्रति जागरूक होकर सुरक्षित सड़क व्यवहार अपनाएं।

त्योहारों से पहले इंदौर पुलिस का बदमाशों पर शिकंजा, 17 जिलाबदर और आदतन अपराधियों पर कड़ी पाबंदियां

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर कार्रवाई, लोकशांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जारी किए आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्योहारों के मद्देनजर इंदौर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने आदतन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने 17 बदमाशों के विरुद्ध जिलाबदर आदेश जारी किए हैं। वहीं, आदतन अपराधियों पर नियंत्रण के लिए निर्बंधन संबंधी आदेश भी जारी किए गए हैं, जिनके तहत संबंधित व्यक्तियों को निर्धारित शर्तों का पालन करना होगा।

पुलिस कमिश्नर के निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा शहर में सक्रिय और आदतन अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभिन्न जोन के पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों और प्रकरणों के परीक्षण के बाद मध्यप्रदेश राज्य

सुरक्षा अधिनियम, 1990 के तहत संबंधित बदमाशों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, संबंधित बदमाशों के विरुद्ध शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में विभिन्न गंभीर धाराओं में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई किए जाने के बावजूद उनकी आपराधिक गतिविधियों में सुधार नहीं होने और क्षेत्र की शांति-व्यवस्था प्रभावित होने की परिस्थितियों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। जिलाबदर किए गए 17 बदमाशों में सैयद जुबैर, इमरान उर्फ इम्मा, गुलशन उर्फ भाया, प्रदीप चौहान, सुनील मेढ्रा, विवेक उर्फ विनय उर्फ कचौरी, ओम उर्फ ओंकार उर्फ काला, विकास उर्फ विस्सु, राहुल उर्फ बलराम, गोलू उर्फ पूषेंद्र, प्रभाकर उर्फ प्रभु, अमन कोकसे, ऋतेक भदौरिया, पंकज इंचुकर, अभिजीत उर्फ सोनू, राजा वर्मा और आशीष

उर्फ टिंकू शामिल हैं। इन सभी के विरुद्ध आदेशों में निर्धारित अवधि के अनुसार कार्रवाई की गई है। जिलाबदर की अवधि तीन माह से लेकर एक वर्ष तक है। आदेश के अनुसार, इन बदमाशों को निर्धारित अवधि तक इंदौर जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साथ सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने के निर्देश दिए गए हैं। अवधि संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध पारित आदेश के अनुसार निर्धारित की गई है। इसके अलावा आदतन अपराधियों पर नियंत्रण के लिए निर्बंधन आदेश भी जारी किए गए हैं। पुलिस द्वारा जारी जानकारी में हसन अली नागौरी, अंकित केलवा, अमन मालवीय, रमेश बैस, सुधीर उर्फ कालू, रोहित बोंयत और कार्तिक कल्याण के नाम शामिल हैं। इनके विरुद्ध छह माह से एक वर्ष तक की अवधि के

आदेशों का उल्लेख किया गया है।

निर्बंधन आदेश के तहत संबंधित व्यक्तियों को निर्धारित अवधि में संबंधित थाने पर नियमित हाजिरी देना, किसी भी अवैध या आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होना और लोकशांति तथा कानून-व्यवस्था भंग करने वाली गतिविधियों से दूर रहना होगा। आदेश में निर्धारित अन्य शर्तों का पालन करना भी अनिवार्य रहेगा। शर्तों का उल्लंघन होने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इन प्रकरणों में शासन की ओर से एडीपीओ अजय प्रताप बुट्टेला ने पैरवी की। पुलिस का कहना है कि आगामी त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदतन अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें, दीपावली पर विशेष निगरानी रखें - कलेक्टर



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार इंदौर जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा मिलावट के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी है । इसी सिलसिले में आगामी दीपावली और अन्य त्योहारों के मद्देनजर मिठाई, नमकीन, मावा, घी, खाद्य तेल एवं अन्य त्योहारी खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण और विक्रय पर विशेष निगरानी रखते हुए सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। संधिध एवं अमानक खाद्य पदार्थ पाए जाने पर नियमानुसार तत्काल सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। होटल, रेस्टोरेंट, स्कूल, हॉस्टल आदि के किचन में शुद्धता, स्वच्छता और मानक स्तर की सुविधाओं तथा खाद्य सामग्रियों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। आंगनवाड़ी केंद्रों के किचन में भी भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। यह जानकारी आज यहाँ कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक दी गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति भी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा

द्वारा जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, खाद्य नमूनों की जांच, न्यायालयीन प्रकरणों, जन-जागरूकता कार्यक्रमों तथा आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की गई।

खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच और नमूनों का परीक्षण- बैठक में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री मनीष स्वामी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 तक जिले में 965 निरीक्षण किए गए तथा 2,051 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए गए। इनमें अर्थदंड लगाया गया ।

मिलावट के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई- वर्ष 2026-27 में दूध एवं दुग्ध उत्पादों, घी, तेल तथा पेय पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए लगभग 31 हजार किलोग्राम खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 86 लाख रुपये है। गंभीर अनियमितताओं वाले प्रतिष्ठानों में नमूने लेने, खाद्य कारोबार बंद कराने तथा नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई भी की गई।

जन-जागरूकता और सुरक्षित खानपान पर जोर - मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से 2,563 खाद्य नमूनों का स्पॉट परीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त 35 जन-जागरूकता कार्यक्रम और 35 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों एवं खाद्य कारोबारियों को मिलावट की पहचान, स्वच्छता तथा सुरक्षित खानपान के प्रति जागरूक किया गया।

एमसीटीई महू द्वारा तैयार ‘प्रिज्म’ 5 जी व 6 जी के नेटवर्क से ड्रोन की करेगा ट्रैकिंग, नवाचार को मिला देश में पहला स्थान



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आसमान में उड़ने वाले ड्रोन को ट्रैक करने के लिए अब रेडार की जरूरत नहीं होगी। सेल्युलर कंपनियों के 5 जी व 6 जी नेटवर्क का उपयोग करके ड्रोन को ट्रैक किया जा सकेगा।

महू स्थित मिलिट्री कालेज आफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) द्वारा नवाचार के तहत तैयार प्रिज्म 5 जी तकनीक से यह संभव हो रहा है। इस तकनीक के इस्तेमाल से भविष्य में कमर्शियल उपयोग के लिए इस्तेमाल होने वाले ड्रोन का आसमान में रुट तय किया जा सकेगा और वे आपस में नहीं टकराएंगे।

रिसर्च टीम ने छह माह में इसे तैयार किया है- एमसीटीई छह तकनीकी दस्ते सैनिकों व रिसर्च टीम ने बीते छह माह में इसे तैयार किया है। इस

तकनीक को केंद्रीय दूरसंचार विभाग के इंडिया मोबाइल कांफ्रेंस के तहत आयोजित नेशनल 5 जी इनोवेशन हैकथान में देश में पहला स्थान मिला है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने महू एमसीटीई की टीम को पुरस्कृत किया- इस राष्ट्रीय हैकथान में एमसीटीई महू का मुकाबल देश के आईआईटी, आईआईएससी, एनआईआईटी जैसे शीर्ष एक हजार तकनीकी संस्थानों और स्टार्टअप के साथ था। दिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पुरस्कार समारोह में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने महू एमसीटीई की टीम को पुरस्कृत किया। टीम को 2.5 लाख रुपये की राशि व प्रमाण पत्र मिला। इझेन ट्रैकिंग के लिए अभी स्पेशलाइज्ड रेडार पर निर्भरता

वर्तमान में किसी भी ड्रोन की ट्रैकिंग के लिए

स्पेशलाइज्ड रेडार की जरूरत होती है। कई बार यह रेडार छोटे-छोटे ड्रोन की लोकेशन को आसानी से ट्रैक नहीं कर पाता है। रेडार का उपयोग करने पर खर्च भी ज्यादा आता है।

प्रिज्म -5 जी तकनीक इस तरह हुई तैयार-एमसीटीई महू के 5जी व 6जी सेंटर आफ एक्सप्लैस के सैन्य छात्रों और प्रशिक्षकों की टीम ने %%प्रिज्म-5 जी ‘ तकनीक को इजाद किया है। इसके लिए एक खास तरह का एंटीना डिजाइन किया गया और 5 जी साफ्टवेयर स्टेक में मॉडिफिकेशन किया गया।

इस बदलाव से सेल्युलर कंपनियों के 5 जी व 6 जी नेटवर्क से ड्रोने की पहचान सुनिश्चित हो सकेगी।इस तकनीक को बिगडिअर देवेन माखीजा के नेतृत्व में डा. निखिल शर्मा, लेफ्टिनेंट कर्नल नैनिश लोहाकरे, ले. कर्नल निंझर यादव, नायब सुबेदार बालासुंदरम एम, नायक अनिल कुमार ने तैयार किया है।

सैन्य व पुलिस सुरक्षा के अलावा बिजनेस में होगा उपयोग- यह तकनीक भारत में सैन्य सुरक्षा में इस्तेमाल होगी। इसके अलावा पुलिस भी ड्रोन ट्रैकिंग के लिए इसका उपयोग कर सकेगी। भविष्य में ड्रोन के माध्यम से होम टू होम आकाशीय मार्ग से पारसल डिलीवरी की प्रक्रिया शुरू होगी। इसमें मेडिसिन व अन्य घरेलू उपयोग के प्रोडक्ट ड्रोन के माध्यम से पहुंचाए जाएंगे। इससे आकाश में ड्रोन की संख्या बढ़ने पर ट्रैकिंग भी बढ़ेगा। ये ड्रोन आपस में न टकरा जाए इसके लिए आकाश में ड्रोन का पाथ वे तैयार होगा।

अफीम नीति में देरी से किसान असमंजस में, केंद्र तत्काल करें घोषणा

10 आरी के पट्टे देने, किसान नेता जोकचन्द ने अफीम का भाव एक लाख रुपये किलो करने, डोडाचूरा की खरीद दर बढ़ाने और नए लाइसेंस जारी करने की मांग की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफीम नीति घोषित होने में हो रही देरी से मालवा क्षेत्र के अफीम उत्पादक किसानों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। किसान आगामी फसल की तैयारियों और पट्टा व्यवस्था को लेकर स्पष्ट नीति का इंतजार कर रहे हैं। पिछले वर्ष 11 सितंबर को अफीम नीति घोषित की गई थी, लेकिन इस बार नीति जारी होने में देरी को लेकर किसानों की चिंता बढ़ रही है। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार तत्काल अफीम नीति घोषित करे और उसमें आवश्यक संशोधन करे। यह मांग महाराराष्ट्र विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री को पत्र लिखकर उठाई है। जोकचंद ने अपने पत्र में कहा कि अफीम की खेती मालवा क्षेत्र के अनेक किसानों की आजीविका से जुड़ी हुई है। किसान इस फसल के उत्पादन के लिए काफी मेहनत करते हैं और बीज, खाद, सिंचाई, मजदूरी सहित अन्य कार्यों

कलेक्टर ने भाटखेड़ी के शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था का लिया जायजा



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को ग्राम भाटखेड़ी स्थित शासकीय हाई स्कूल एवं शासकीय प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षणिक दक्षता परखी और शिक्षकों को शिक्षण कार्य की गुणवत्ता बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चौथी एवं पांचवीं के विद्यार्थियों से पहाड़े लिखवाकर उनकी दक्षता का आकलन किया। उन्होंने हाई स्कूल में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के बीच बैठकर गणित विषय में त्रिकोणमिति के अध्यापन का अवलोकन भी किया। कलेक्टर श्री चंद्रा ने विद्यार्थियों से संवाद कर पढ़ाए जा रहे पाठों एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, मेहनत और लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करते हुए परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने का लक्ष्य दिया। साथ ही शिक्षकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक दक्षता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव, एसडीएम सुश्री मयूरी जोक तथा शिक्षिका श्रीमती निर्मला खजुरिया एवं श्रीमती सुनीता वाधवा सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मां की ममता एवं पिता की क्षमता के उपकारों को मानें: साध्वी डॉ. श्रुतपूर्ण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन शासन में साधु-साध्वियों को जंगम तीर्थ माना गया है। इसी प्रकार माता-पिता भी घर में चलते-फिरते तीर्थ स्वरूप होते हैं। उनके उपकारों के त्त्रा को चुकाने का पुरुषार्थ करना चाहिए। मां की ममता और पिता की क्षमता के उपकारों को सदैव याद रखना चाहिए। यह बात पिपलिया में चतुर्मास में निश्रा प्रदाता साध्वी डॉ. श्रुतपूर्णा ने सरधना में गुरु धर्म धुरंधर नव निर्मित आराधना भवन के लोकार्पण समारोह में कहा। साध्वीजी ने कहा कि दिव्ही निवासी राजकुमार जैन ने अपनी स्व-अर्जित संपत्ति से दो मंजिला आराधना भवन का निर्माण करवाकर अपने माता-पिता को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। यह भवन धर्म आराधना के साथ माता-पिता के प्रति सम्मान और समर्पण का संदेश देता। भवन में चार माह तक साधु-साध्वियों की निश्रा में जिनवाणी का श्रवण होगा, वहीं शेष आठ माह माता-पिता की प्रतिमाएं लोगों को सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करेंगी। यहां सामाजिक गतिविधियों के साथ प्रतिक्रमण, ध्यान और योग जैसी धार्मिक क्रियाएं भी होती रहेंगी। देव, गुरु और धर्म के प्रति श्रद्धा के साथ माता-पिता के प्रति समर्पण का भाव सराहनीय है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत भाटखेड़ी बुजुर्ग में शिविर संपन्न

जनसमस्याओं का समयबद्ध निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता - विधायक श्री मारू

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत मनासा विकासखंड को ग्राम पंचायत भाटखेड़ी बुजुर्ग में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने आमजन की समस्याएं सुनीं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा सेवाएं उपलब्ध कराई गई तथा प्राप्त 172 आवेदनों के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समाधान करना और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और उनके समयबद्ध निराकरण के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वामित्व



अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मकानों, प्लॉट्स एवं संपत्तियों की मुफ्त रजिस्ट्री की जा रही है, जिससे नागरिकों को संपत्ति संबंधी अधिकारों की सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने, खेती के साथ पशुपालन करने तथा गोबर की खाद का उपयोग कर कृषि लागत कम करने का आह्वान किया। साथ ही युवाओं एवं महिलाओं से स्वरोजगार, सहकारी संस्थाओं और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की अपील की। कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के माध्यम से शासन-प्रशासन को आमजन के बीच पहुंचाकर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों से संवाद करने और प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि विविधीकरण एवं पशुपालन अपनाना आय बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। युवाओं को कौशल विकास एवं स्वरोजगार और महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के अवसरों का लाभ लेना चाहिए। शासन की योजनाओं की सार्थकता तभी है, जब उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आए।

शिविर में विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई- शिविर में नामांतरण, सीमांकन- आयुष्मान कार्ड, ई-केवाईसी, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, लोक सेवा गारंटी एवं आंगनवाड़ी सेवाओं सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। संबंधित अधिकारियों को आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई कर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश

दिए गए। उद्यमियों से संवाद कर जानी समस्याएं एवं अपेक्षाएं- शिविर में क्षेत्र के उद्यमी श्री गजेंद्र चोपड़ा एवं श्री कमलाशंकर विश्वकर्मा से संवाद कर उनकी सफलता, समस्याओं एवं आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली गई। उद्यमियों ने शासन-प्रशासन से प्राप्त सहयोग एवं सुविधाओं के अनुभव साझा किए तथा अपनी अपेक्षाओं से अधिकारियों को अवगत कराया। हितग्राहियों को प्रमाण पत्र, न्यूट्री बास्केट एवं हितलाभ किए गए वितरित- शिविर में दो हितग्राहियों को लाडली लक्ष्मी प्रमाण पत्र वितरित किए गए। एसएम श्रेणी के बच्चों की माताओं सहित कुल चार हितग्राहियों को न्यूट्री बास्केट प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पांच हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितलाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम में वनमण्डलाधिकारी श्री एस.के.अटोदे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश,एसडीएम श्रीमती मयूरी जोक सहित जनप्रतिनिधि,विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

दिया जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने मेले में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी करने तथा मंदिर तक आने वाले मार्गों पर सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।



जोकचंद के अनुसार, सरकार को पट्टा वितरण के नियमों की समीक्षा कर किसानों के हित में व्यवस्था बनानी चाहिए, ताकि पात्र किसानों को उनकी जरूरत और परिस्थितियों के अनुरूप लाभ मिल सके। अफीम का भाव एक लाख रुपये प्रति किलो

कहा कि पट्टा वितरण व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिससे किसानों को अफीम की खेती का पर्याप्त अवसर मिल सके। उन्होंने यह भी मांग उठाई कि जिन किसानों के पास अभी तक अफीम की खेती का लाइसेंस नहीं है, उन्हें भी नए पट्टे जारी किए जाएं। इससे नए पात्र किसानों को अफीम उत्पादन से जुड़ने का अवसर मिल सकेगा।

करने की मांग- जोकचंद ने अफीम के मौजूदा मूल्य निर्धारण की व्यवस्था में बदलाव कर अफीम का भाव एक लाख रुपये प्रति किलो करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अफीम की खेती में मेहनत के साथ पर्याप्त समय और पूंजी भी लगती है। फसल तैयार करने से लेकर उत्पादन तक किसानों को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना जरूरी है। उन्होंने केंद्र सरकार से अफीम के मूल्य पर पुनर्विचार कर किसानों के हित में निर्णय लेने की अपील की। उनका कहना है कि उचित मूल्य मिलने से किसानों को उत्पादन लागत निकालने और खेती से जुड़े आर्थिक जोखिमों का सामना करने में मदद मिल सकती है।

डोडाचूरा नीति में बदलाव कर भाव बढ़ाने की मांग- किसान नेता ने डोडाचूरा नीति में बदलाव को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से डोडाचूरा की खरीद एक लाख रुपये प्रति क्विंटल की

दर से करने की मांग की। साथ ही, डोडाचूरा में मॉर्फिन की मात्रा 00.2 प्रतिशत से भी कम होने का उल्लेख करते हुए इसे एनडीपीएस एक्ट के दायरे से बाहर करने की मांग की। जोकचंद ने पत्र में कहा कि डोडाचूरा से संबंधित मामलों के कारण मंदसौर संसदीय क्षेत्र सहित मालवा-मेवाड़ के कई किसानों को कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस विषय में स्पष्ट और किसान हितैषी नीति बनाने की जरूरत है। उन्होंने सरकार से मांग की कि डोडाचूरा की खरीद, उसके मूल्य और कानूनी प्रावधानों को लेकर उचित निर्णय लिया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि डोडाचूरा से संबंधित मामलों में नियमों की स्पष्टता और व्यावहारिक व्यवस्था होने से किसानों की परेशानियां कम करने में मदद मिल सकती है। उनके अनुसार, इस विषय पर केंद्र सरकार को संबंधित कानूनी प्रावधानों और विशेषज्ञों की राय के आधार पर निर्णय लेना चाहिए।

राज्य स्तरीय हॉकी स्पर्धा : ग्वालियर संभाग ने उज्जैन संभाग को 3-1 से हराकर फाइनल ट्रॉफी जीती

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा विभाग मंदसौर द्वारा आयोजित 70वां राज्यस्तरीय हॉकी 14 वर्ष बालक स्पर्धा का समापन हॉकी टर्फ मैदान बायपास पर हर्षोल्लास के साथ हुआ। फाइनल में ग्वालियर संभाग ने उज्जैन संभाग को 3-1 से हराकर प्रतियोगिता अपने नाम की। उपविजेता उज्जैन संभाग व तृतीय स्थान (हाई लाइन मैच विनर) पर सागर संभाग रहा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मंदसौर विधायक विपिन जैन, मंदसौर हॉकी फेडरेशन क्लब अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज, जिला शिक्षा अधिकारी पंकज जाट, लोक शिक्षण भोपाल के ऑब्जर्वर देवेन्द्र बाथम, जिला क्रीड़ा अधिकारी घोसालाल जोगचंद, संयोजक एवं प्राचार्य के.सी. सोलंकी आदि मंचासीन रहे।



मंच से अतिथियों द्वारा विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीमों के खिलाड़ियों, कोच एवं मैनेजरों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र, शील्ड, पदक देकर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात सभी संभागों के प्रतिभागियों को शील्ड एवं पदक प्रदान किए गए। जिला शिक्षा अधिकारी पंकज जाट ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) लखनऊ द्वारा हॉकी अंडर-14 बालक की नेशनल प्रतियोगिता की मेजबानी की जिम्मेदारी भी पशुपतिनाथजी की नगरी मंदसौर जिला प्रशासन को प्राप्त हुई है। यह भव्य अनुभव साझा किए। खिलाड़ियों ने भी उत्साहपूर्वक अपनी बातें रखीं। कलेक्टर ने छात्रावास के प्रत्येक कक्ष में पहुंचकर खिलाड़ियों, कोच एवं मैनेजर से चर्चा की तथा आवास, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संचालन आशीष बंसल ने किया। आभार जिला क्रीड़ा अधिकारी जोगचंद ने माना।

है, यदि कोई कमी है तो उसे पहले ही पूर्ण करें। कलेक्टर दिव्यांक सिंह की रात्रि चौपाल-70वां हॉकी राज्य स्तरीय आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने विगत रात्रि में शासकीय बालक उत्कृष्ट छात्रावास में ठहरी विभिन्न संभागीय टीमों के खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने खिलाड़ियों से वन-टू-वन चर्चा कर उनका परिचय जाना और प्रतियोगिता से जुड़े उनके अनुभव साझा किए। खिलाड़ियों ने भी उत्साहपूर्वक अपनी बातें रखीं। कलेक्टर ने छात्रावास के प्रत्येक कक्ष में पहुंचकर खिलाड़ियों, कोच एवं मैनेजर से चर्चा की तथा आवास, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संचालन आशीष बंसल ने किया। आभार जिला क्रीड़ा अधिकारी जोगचंद ने माना।

देव डूंगरी माता मंदिर में 151 सीढ़ियां चढ़कर भक्त करते हैं मां के दर्शन

आज होगी घट स्थापना, नौ दिनों की उपासना के बाद होगा वाड़ी विसर्जन, प्राकृतिक सुंदरता भी करती है आकर्षित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर शहर से लगभग 7 से 9 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर करीब 500 वर्ष पुराना माना जाता है। रेवास देवड़ा रोड स्थित देव डूंगरी माता मंदिर में नवरात्रि पर्व के तहत आज घट स्थापना की जाएगी। मंदिर के ईश्वर पण्डजी ने बताया कि नौ दिनों तक माता रानी की पूजा-अर्चना और उपासना के बाद नवमी पर वाड़ी विसर्जन होगा। इस दौरान श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और मनोकामना पूर्ति की कामना करेंगे।



आकर्षित करता है। नया घर बनाने की मनोकामना लेकर बनते हैं घरोदें- ईश्वर पण्डजी ने बताया कि देव डूंगरी माता मंदिर में भक्तों की एक विशेष आस्था जुड़ी हुई है। मान्यता है कि यहां श्रद्धालु मिट्टी के छोटे-छोटे घर रानी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 151 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। धार्मिक आस्था के साथ यहां का प्राकृतिक वातावरण भी लोगों को

दर्बार में संतान प्राप्ति की मनोकामना लेकर आते हैं और मन्नत पूरी होने की आशा में मंदिर परिसर में पालना बांधते हैं। जय अंबे देव डूंगरी माता भक्त मंडल और मंदिर समिति व स्थानीय श्रद्धालु मंदिर से जुड़ी धार्मिक परंपराओं के आयोजन में सहभागीता करते हैं। ईश्वर पण्डजी ने बताया कि देव डूंगरी माताजी मंदिर का परिसर प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। आसपास विकसित नगर वन और हरियाली के कारण यह स्थान धार्मिक दर्शन के साथ प्रकृति के बीच समय बिताने के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रहा है। मंदिर क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाएं भी हैं। ईश्वर पण्डजी ने बताया कि प्राकृतिक सुंदरता से घिरा यह धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है। मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाता। नवरात्रि के दौरान माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए भक्तों के पहुंचने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने दुग्ध सहकारी समिति का किया निरीक्षण



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को मनासा तहसील के ग्राम भाटखेड़ी बुजुर्ग स्थित दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति की संचालन व्यवस्था श्री रामनारायण कारपेंटर ने बताया कि सांची के माध्यम से समिति को 4 लाख रुपये का आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ है। समिति के संचालन से उन्हें प्रतिमह लगभग 10 हजार रुपये की आय हो रही है। कलेक्टर श्री चंद्रा ने दुग्ध व्यवसाय को बढ़ावा देने, किसानों की आय में वृद्धि सहित अन्य संभावनाओं के संबंध में सुझाव प्राप्त किए। उन्होंने दुग्ध व्यवसाय से अधिकाधिक लोगों को जोड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए समिति की आवश्यकताओं की जानकारी ली और प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने किसानों को पारंपरिक कृषि के साथ आय के अन्य स्रोत विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम मनासा श्रीमती मयूरी जोक, उपसंचालक पशुपालन विभाग श्री ए.आर. धाकड़, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

विज्ञान पर भारी आस्था, तस्करों से लेकर चोरों तक पर चलती है मां बसदेवी की अदृश्य लाठी

सिंगोली के घने जंगलों में विराजित हैं करोड़ों की दुर्लभ नीलम प्रतिमा वाली मां महिषासुर मर्दिनी



सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर जहां पूरा देश शक्ति की आराधना में लीन है, वहीं नीमच जिले की सिंगोली तहसील का कोज्या अंचल एक ऐसे अलौकिक और रात्रिकालीन चमत्कार का गवाह बना है जिसने आधुनिक विज्ञान और पुलिसिया तपस्वीता को भी पीछे छोड़ दिया है। अंचल की आराध्य देवी मां बजदेवी (महिषासुर मर्दिनी) के दरबार में लगी एक अजीब के बाद, हाल ही में पलासिया गाँव के ऐतिहासिक चारभुजानाथ मंदिर के 61 फीट ऊंचे शिखर से चोरी गया 7 लाख रुपये का बहुमूल्य स्वर्ण कलश चोरों ने चमत्कारी ढंग से खुद वापस लौटा दिया। क्षेत्रवासी इसे माता रानी की साक्षात लाठी और रात्रिकालीन प्रकोप का असर मान रहे हैं, जिसके भय से चोरों की रातें हराम हो गईं और वे आत्मसमर्पण करने पर मजबूर हो गए।



61 फीट की ऊंचाई से उड़या था कलश, मां के दरबार में हुई थी भविष्यवाणी- बीते दिनों अज्ञात शातिर चोरों ने रात्रि के घने अंधेरे का फायदा उठाकर पलासिया के चारभुजानाथ मंदिर के 61 फीट ऊंचे शिखर से स्वर्ण कलश चुरा लिया था। सिंगोली पुलिस जांच में जुटी थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल रहा था। हाताश ग्रामीणों ने तब दौलतपुरा के घने जंगलों में स्थित अपनी कुलदेवी मां बजदेवी के चरणों में रात्रिकालीन महाअराती कर अजीब लगाई। ग्रामीण आस्था के अनुसार, माताजी के दरबार से यह दिव्य संकेत और भविष्यवाणी मिली थी कि चोरों पर जल्द ही ऐसी देवी माया चलेगी कि वे चैन से नहीं पाएंगे और स्वयं कलश लौटाएंगे। हुआ भी यही; पकड़े जाने के कानूनी डर से कहीं ज्यादा देवी के रात्रिकालीन खौफ के आगे चोरों के हाँसेले पस्त हो गए और वे कलश सकुशल वापस छोड़ गए।

25 करोड़ की नीलम प्रतिमा का रहस्य- पुरातत्व विभाग और स्थानीय इतिहासकारों के अनुसार, मां महिषासुर मर्दिनी की यह अलौकिक प्रतिमा लगभग 9वीं से 11वीं शताब्दी (1000 वर्ष से अधिक पुरानी) की है। सबसे बड़ी बात यह है कि मां बजदेवी की यह दिव्य मूर्ति किसी आम पाषाण की नहीं, बल्कि अत्यंत दुर्लभ और मूल्यवान नीलम रत्न से बनी है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 6 करोड़ से लेकर 25 करोड़ रुपये से अधिक आंकी जाती है।

जब तस्कर हुए बदहवास और 12 वर्षों बाद थाने से मुक्त हुई माताजी- अपने इसी बेशर्कमीती स्वरूप के कारण यह मंदिर हमेशा से अंतरराष्ट्रीय तस्करों के रडार पर रहा है। माताजी के इतिहास का सबसे बड़ा चमत्कार 9 जनवरी 2004 को तब सामने आया था, जब एक कुख्यात अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरोह ने मंदिर से इस नीलम प्रतिमा को चुरा

आयुष्मान योजना में भर्ती मरीजों को नहीं मिल रहा भोजन, पूर्व विधायक सिसौदिया ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष्मान भारत योजना के तहत निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को भोजन न मिलने का मामला सामने आया है। पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी आयुष्मान योजना देश भर में सुचारु रूप से संचालित हो रही है। योजना के प्रावधान के अनुसार निजी चिकित्सालय में भर्ती मरीज को भोजन (डाइट) पैकेज में ही देना है। इसके लिए मरीज को अलग से कोई राशि नहीं देनी है। अस्पताल को दोनों समय का भोजन, चाय और दूध की व्यवस्था करनी है। सिसौदिया ने पत्र में कहा है कि प्रायः देखने और सुनने में आ रहा है कि कई निजी चिकित्सालय पैकेज में शामिल भोजन और नाश्ता मरीजों को नहीं दे रहे हैं। कुछ अस्पताल इसका पालन कर रहे हैं, लेकिन कुछ अस्पतालों में इसका पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि भारत सरकार और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत भर्ती मरीजों को भोजन व नाश्ता और अन्य निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सख्त निर्देश जारी किए जाएं।

सम्पादकीय

संदर्भ: 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले

शारदेय नवरात्र के अवसर पर

शारदेय नवरात्रों में एक बार फिर हम स्त्री शक्ति के नौ रूपों की पूजा करेंगे। नवरात्र में जो नव उपसर्ग हैं, वे नौ की संख्या के साथ-साथ नूतनता के भी प्रतीक हैं। इस अर्थ में वे परिवर्तन के सूचक हैं। ये रूप-शक्ति, स्त्रीत्व और समृद्धि के प्रतीक भी हैं। इन स्वरूपों की पूजा करते हुए स्त्री रूपी इन देवियों के भव्य रूप हमारी चेतना में उपस्थित रहते हैं। इन्हें शक्ति रूप इसलिए कहा जाता है, क्योंकि जब सृष्टि के समय काल में देव वृषभ, दानवों से पराजित हुए, तो उन्हें राक्षसों पर विजय के लिए दुर्गा से अनुनय करना पड़ा। एक अकेली दुर्गा ने विभिन्न रूपों में अवतरित होकर अनेक क्षत्सों का नाश कर सृष्टि के सृजन को व्यवस्थित रूप देकर गति प्रदान की। प्रतीक रूप में ये रूप अंततः मनुष्य की ही विभिन्न मनोदशाओं के परिष्कार से जुड़े हैं। इन मनोदशाओं को राक्षसी प्रवृत्ति कह सकते हैं, जो मनुष्य की नकारात्मक विकृतियों के भी प्रतीक हैं। इन रूपों के महत्व को जानते हैं।

नवदुर्गाओं में शील पुत्री प्रथम दुर्गा मानी जाती हैं। इनके हाथों में त्रिशूल और कमल पुष्प सुशोभित हैं। इनका वाहन वृषभ है। शैल पुत्री अपने पूर्वजन्म में दक्ष प्रजापति की कन्या थीं और इनका नाम को आर्मात्रित करने के लिए बाध्य किया। किंतु प्रजापति ने शिव का उलहास उड़ाया और उन्हें बुलाने से इनकार कर दिया। तब सती ने क्रोधित होकर यज्ञ-कुंड में कूँदकर अपने प्राणों की आहुती दे दी। शिव को जब सती के प्राण त्यागने का समाचार मिला, तो उन्होंने अपने गणों को भेजकर यज्ञ का विध्वंस करा दिया। बाद में शिव सती के जले शव को कंधे पर लेकर भटकते रहे। पुराणों में उल्लेखित है कि इस दौरान सती के अंग बारह स्थानों पर गिरे। उन्हें बारह ज्योतिर्लिंग की मान्यता प्राप्त है। अगले जन्म में यही सती शैलराज हिमालय के पर में पैदा हुईं और शैलपुत्री कहलाईं। उन्हें ही पार्वती कहा जाता है।

दुर्गा का दूसरा रूप ब्रह्मचारिणी का है, श्वेत वस्त्रधारी ब्रह्मचारिणी के एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडलु है। ब्रह्मचारिणी का जन्म पर्वतराज हिमालय की पत्नी मैना के गर्भ से हुआ था। पहले इनका नाम शुभ लक्ष्णों को देखते हुए पार्वती रखा गया। बाद में नारद मुनि ने हिमालय को बताया कि यही पार्वती पूर्व जन्म में सती थीं। इस रहस्य को जानने के बाद पार्वती में शिव को प्राप्त करने की इच्छा जागृत हो गई। इसके लिए देवी ने कठिन तपस्या की। इससे उनका शरीर कृशकाया में बदल गया। तपस्या से तीनों लोकों में हल्लाकार मच गया। तब ब्रह्मा ने उनके समक्ष उपस्थित होकर मनचाह वर मांगने की प्रार्थना की। पार्वती ने शिव को मांगा। ब्रह्मा ने पार्वती को अश्वीवाद तो दिया ही, उनकी काया को भी सुंदर रूप में बदल दिया। यहीं ब्रह्मा ने तप का आचरण करने के कारण ब्रह्मचारिणी का नाम दिया।

नवरात्रों के तीसरे दिन दुर्गा के शरीर से नई शक्ति के रूप में चंद्रघंटा की वंदना की जाती है। सिंह पर सवार ये देवी निडरता के साथ सीम्यता के गुणों से भी भरपूर हैं। इनके आभामंडल से अदृश्य शक्ति का विकिरण होता रहता है। इनके शरीर का वर्ण स्वर्ण है। इनके दस हाथ हैं, जिनमें खड्ग, अस्त्र-शस्त्र, बाण आदि विभूषित हैं। देवासुर संग्राम में इनके घंटे की भयानक ध्वनि से सैकड़ों दैत्य मारे गए थे। इनकी मुद्रा हमेशा युद्ध के लिए तत्पर दिखाई देती है। दुर्गा का चौथा स्वरूप कूष्मांड देवी का है। इनका निवास सूर्यलोक में है। इसीलिये इनके शरीर की क्रांति और आधा सूर्य के समान सदैव प्रकाशित रहते हैं। सृष्टि के संपूर्ण प्राणियों में इन्हें देवी का आलोक प्रदीप्त है। जब ब्रह्माण्ड का अस्तित्व नहीं था और चारों ओर अंधेरा था, तब इन देवी ने अपनी मंदमुस्कान द्वारा अंध अंधांत ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति की। इसी कारण इन्हें कूष्मांड कहा गया। सिंह पर सवार कूष्मांड अष्ट भुजाधारी हैं। इनके हाथों में कमण्डलु, धनुष-बाण, कमल-पुष्प, अमृत-कलश, चक्र गाँध और सभी प्रकार की सिद्धियां व जपमाला सुशोभित हैं। दुर्गा का पांचवां रूप स्कंद माता का है। इनके पुत्र कार्तिकेय का एक नाम स्कंद है, इसलिए इन्हें स्कंद माता कहा जाता है। सिंह पर सवार इन देवी की चार भुजाएं हैं। इनके दो हाथों में कमल पुष्प हैं एक हथ वरदान की मुद्रा में है और दूसरा हथ पुत्र स्कंद को गोद में लिए है। इस कारण ये पद्मासना देवी भी कहलाती हैं। बाद छठे दिन देवी कात्यायनी की पूजा की जाती है। कात्य नामक ऋषि की वंशवली में एक प्रसिद्ध ऋषि कात्यायन हुए हैं। ये दुर्गा के भक्त थे। इस भक्ति से प्रसन्न होकर दुर्गा ने कात्यायन को कोई वर मांगने को कहा। तब महर्षि ने दुर्गा से अपने घर में पुत्री के रूप में जन्म लेने का आग्रह किया। दुर्गा ने यही वरदान दे दिया। कुछ समय बाद जब पृथ्वी पर महिषासुर नाम के असुर का अत्याचार बढ़ गया, तब दुर्गा के तेज से कात्यायन की पत्नी की कोख से देवी कात्यायनी ने जन्म लिया। पुराणों में ऐसा कहा गया है कि इस तेज में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के तेज का भी समावेश है।

आत्मसाक्षात्कार द्वारा मां दुर्गा की शक्तियों को हृदय में प्रतिष्ठित करने का पर्व



शारदीय नवरात्रि आत्मशक्ति के जागरण, माँ आदिशक्ति की आराधना और दिव्य संरक्षण का पावन पर्व।

नवरात्रि केवल माँ दुर्गा की उपासना का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दिव्य शक्ति को पहचानने और आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होने का शुभ अवसर

भी है। सहजयोग की संस्थापिका, परम पूजनीय श्री माताजी निर्मला देवी जी ने देवी के विभिन्न स्वरूपों और उनकी सूक्ष्म शक्तियों का गहन आध्यात्मिक रहस्य समझाते हुए कहा है कि हमारे शास्त्रों में वर्णित देवी के सभी स्वरूप सत्य हैं। उन्हें गहराई से समझने के लिए सहजयोग के माध्यम से प्राप्त होने वाले सूक्ष्म स्पंदनों (वाइब्रेशंस) को पहचानना आवश्यक है।

माँ दुर्गा, माँ चामुंडा और देवी के अन्य स्वरूप किसी प्रकार से एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि ये एक ही आदिशक्ति की विभिन्न अभिव्यक्तियाँ हैं। जब जैसी आवश्यकता होती है, आदिशक्ति उसी स्वरूप में अपनी शक्ति का कार्य करती हैं। यहाँ तक कि भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, श्री हंस माहेश्वी जैसे महान अवतारों के कार्यों में भी देवी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति के सर्वोच्च सम्मान और श्रद्धा का स्थान प्राप्त है।

माँ दुर्गा और हृदय चक्र का दिव्य संबंध- माँ दुर्गा हृदय चक्र की अधिष्ठात्री हैं। हृदय चक्र प्रेम, साहस, आत्मविश्वास और सुख की सूक्ष्म शक्तियों से जुड़ा है। जब कुण्डलिनी शक्ति हृदय चक्र तक पहुँचती है, तब इन दिव्य शक्तियों का जागरण और सुदृढ़ीकरण होता है। श्री माताजी ने कुण्डलिनी को जगदम्बा स्वरूप बताते हुए उसकी इस शक्ति को और अधिक प्रभावी बनाने में उसकी भूमिका समझाई है। आत्मसाक्षात्कार- माँ की दिव्य सुरक्षा का अनुभवश्री माताजी के संदेश के अनुसार, जब साधक सहजयोग के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करता है, तब हृदय में स्थित यह दिव्य शक्ति उसकी रक्षा करती है। इस सुरक्षा का आध्यात्मिक आधार है, माँ के प्रति शुद्ध प्रेम, श्रद्धा और भक्ति के साथ अपने हृदय को मिलित बनाना। जब हृदय में स्थित प्रेम जागृत होता है, तब भय के स्थान पर सहसा, असुरक्षा के स्थान पर आत्मविश्वास और अशांति के स्थान पर आंतरिक शांति का अनुभव होने लगता है।

आइए, इस शारदीय नवरात्रि माँ दुर्गा की आराधना के साथ अपने भीतर की दिव्य शक्ति को पहचानें, आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करें और सहजयोग ध्यान के माध्यम से शांति, प्रेम तथा आध्यात्मिक सुरक्षा का अनुभव करें। माँ आदिशक्ति की कृपा से सभी के जीवन में प्रेम, साहस, शांति और आध्यात्मिक जागृति का प्रकाश फैले।

भारत के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने समय की सीमाओं को लांघकर आने वाली पीढ़ियों के लिए विचार, आदर्श और प्रेरणा के शाश्वत स्रोत बन जाते हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ऐसे ही महान जननायक थे, जिन्होंने सत्ता के शिखरों पर पहुंचने की अपेक्षा जनसेवा के रास्ते पर चलना पसंद किया। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में विदेशी सत्ता को चुनौती दी और स्वतंत्र भारत में जब सत्ता निरंकुशता, भ्रष्टाचार तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण की ओर बढ़ती दिखाई दी, तब उसके विरुद्ध जनचेतना का शंखनाद किया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि राजनीति की वास्तविक शक्ति पद, प्रतिष्ठा और सत्ता में नहीं, बल्कि नैतिक साहस, जनविश्वास और सिद्धांतों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित होती है। आज जब भारतीय राजनीति में सत्ता की आकांक्षा, आरोप-प्रत्यारोप और विरोध के लिए विरोध की प्रवृत्ति दिखाई देती है, तब जयप्रकाश नारायण की जयंती हमें आत्मसंखिंद का अवसर देती है। उनके विचारों को स्मरण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वर्तमान राजनीतिक व्यवहार में उतारना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जयप्रकाश नारायण की जीवनयात्रा संघर्ष, त्याग और वैचारिक परिवर्तन की विलक्षण गाथा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष किया, जेल की यातनाएं सहें और हजारीबाग जेल से साहसिक पलायन कर क्रांतिकारी युवाओं के लिए प्रेरणा बने। स्वतंत्रता के बाद उनके सामने सत्ता और पद प्राप्त करने के अनेक अवसर थे, लेकिन उन्होंने सत्ता की राजनीति के बजाय समाज परिवर्तन का मार्ग चुना। समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहने के बाद वे विनोबा भावे के भूदान आंदोलन से जुड़े और ग्राम स्वराज, सामाजिक समानता तथा नैतिक पुनर्जागरण के पक्षधर बने। उनका विश्वास था कि केवल सरकार बदलने से समाजी की समस्याएं समाप्त नहीं होतीं, बल्कि इसके लिए व्यक्ति, समाज और व्यवस्था के चरित्र में परिवर्तन आवश्यक है।

जयप्रकाश नारायण के व्यक्तित्व का सबसे उज्ज्वल पक्ष उनकी सत्ता-निपेक्षता थी। वे सत्ता पर अधिकार करने के बजाय सत्ता को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना चाहते थे। उनका राजनीतिक दर्शन इस विचार पर आधारित था कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव कराना

सेवा, संकल्प और समर्पण की यात्रा

7 अक्टूबर 2001 का वह दिन इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज हो गया, जब नरेन्द्र मोदी नामक एक निष्ठावान राष्ट्रसेवक ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद की भागडोर संभाली। वहां से शुरू हुआ सेवा का यह सफर आगे चलकर 26 मई, 2014 को भारत के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचा। आज, 25 वर्षों की इस गौरवपूर्ण यात्रा को पीछे मुड़कर देखते तो यह केवल एक नेता के राजनीतिक जीवन का आलेख नहीं लगता, बल्कि यह देश के बदलते राजनीतिक, सामाजिक और विकास के सफर से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अध्याय दिखाई देता है। प्रधानमंत्री मोदी जी की यह 25 वर्षों की यात्रा "सेवा, संकल्प और समर्पण" की यात्रा है। यह 140 करोड़ भारतीयों के बढ़ते आत्मविश्वास की यात्रा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 7 अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक मोदीजी ने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए। विनाशकारी भुज भूकंप की प्रष्ठभूमि में ही उन्होंने मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। मोदीजी ने भुज और कच्छ क्षेत्र में पुनर्वास, पुनर्निर्माण और नवनिर्माण के कार्यों को गति प्रदान की। वर्ष 2003 में 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' की शुरुआत की।

इस सम्मेलन के माध्यम से दुनिया भर की बड़ी कंपनियों और उद्योगपतियों को गुजरात में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया गया। यह गुजरात मंडल देवायसियों को पसंद आया, क्योंकि उसी समय देश में विकास के नाम पर किए जा रहे खोखले वादों, भ्रष्टाचार और गरीबी हटाने के नाम पर अमीरों की तिजोरियां भरने के प्रयासों के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा था। उन असंतोष की चिंगारियों को राजनीतिक ऊर्जा में बदलने का काम मोदीजी ने किया। वर्ष 2014 से पहले का भारत और 2014 के बाद का भारत-इन दोनों के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की नीतियों में विकास, बुनियादी ढांचा, डिजिटल तकनीक, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा की विशेष महत्व दिया गया। नई शिक्षा नीति, नए फौजदारी कानून और तीन तलाक के खिलाफ कानून जैसे निर्णय भी मोदी सरकार के कार्यकाल में लिए गए। जम्मु-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लेने का साहस भी मोदी सरकार ने दिखाया। पिछले 12 वर्षों में लिए गए ऐसे असंख्य निर्णयों के कारण भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था, प्रशासन और सामाजिक नीतियों की दिशा पर व्यापक और अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। विकास के एजेंडे के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत को भी इस दौर में ऊंचाई पर ले जाने का कार्य हुआ।

वर्ष 2014 से पहले का भारत और 2014 के बाद का भारत-इन दोनों के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की नीतियों में विकास, बुनियादी ढांचा, डिजिटल तकनीक, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा की विशेष महत्व दिया गया। नई शिक्षा नीति, नए फौजदारी कानून और तीन तलाक के खिलाफ कानून जैसे निर्णय भी मोदी सरकार के कार्यकाल में लिए गए। जम्मु-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लेने का साहस भी मोदी सरकार ने दिखाया। पिछले 12 वर्षों में लिए गए ऐसे असंख्य निर्णयों के कारण भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था, प्रशासन और सामाजिक नीतियों की दिशा पर व्यापक और अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। विकास के एजेंडे के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत को भी इस दौर में ऊंचाई पर ले जाने का कार्य हुआ।

-**सुनील कुमार महला**

और बहुमत के आधार पर सरकार बना लेना नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक सार्थकता तब है, जब नागरिकों को न्याय मिले, शासन पारदर्शी हो, सत्ता जनहित के प्रति उत्तरदायी रहे और आम आदमी की आवाज का सम्मान किया जाए। वे राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की सोझी नहीं, बल्कि लोककल्याण का माध्यम मानते थे। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन भी केवल सरकार बदलने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने राजनीतिक व्यवस्था की नैतिकता पर व्यापक बहस को जन्म दिया। सन् 1974 में बिहार से आरंभ हुआ उनका संपूर्ण क्रांति आंदोलन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का निर्णायक अध्याय बना। भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों के विरुद्ध उठी युवाओं की आवाज को उन्होंने व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का स्वर दिया। 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू होने के बाद लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रताओं पर लगे प्रतिबंधों के विरुद्ध उनका संघर्ष और अधिक प्रासंगिक हो गया। वे स्वयं गिरफ्तार किए गए, लेकिन उनका विचार और लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जनमानस में जीवित रही। वर्ष 1977 में जनता पार्टी की जीत और केंद्र में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार के गठन में उनकी निर्णायक भूमिका रही। उन्होंने यह सिद्ध किया कि संगठित जनशक्ति और नैतिक नेतृत्व के सामने बड़ी से बड़ी सत्ता को भी चुनौती दी जा सकती है। हालांकि, उनका सपना केवल एक सरकार को हटाना नहीं, बल्कि ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करना था, जिसमें सत्ता सेवा का पर्याय बने।

संपूर्ण क्रांति का दर्शन उनकी दूरदर्शिता का सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है। वे राजनीतिक परिवर्तन को व्यापक सामाजिक पुनर्निर्माण से जोड़ते थे। उनकी संपूर्ण क्रांति के सात आयाम थे-राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षणिक और आध्यात्मिक। इनका उद्देश्य केवल शासन की संरचना बदलना नहीं, बल्कि मनुष्य की सोच, व्यवहार और जीवनमूल्यों में परिवर्तन लाना था। वे जानते थे कि भ्रष्टाचार केवल सरकारी कार्यालयों में नहीं पनपता, उसकी जड़ें व्यक्ति की लालचपूर्ण मानसिकता में भी होती हैं। सामाजिक असमानता केवल कानून बनाने से समाप्त

स्टार हेल्थ इंश्योरेंस का मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा जागरूकता रोडशो संपन्न, 45 शहरों और कस्बों में करीब 5 लाख लोगों तक पहुंचा

भारत की पहली स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनी स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनएसई-स्क्रॉल#भ्रक्ष॥; बीएसई- 543412) ने मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा जागरूकता रोडशो का समापन किया। इस अभियान के माध्यम से राज्य के 45 शहरों और कस्बों में करीब 5 लाख लोगों तक पहुंच बनाई गई। इसका उद्देश्य परिवारों को अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों से निपटने में स्वास्थ्य बीमा की भूमिका और बीमाधारकों को उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करना था।

इस अभियान के तहत विशेष रूप से तैयार की गई दो जागरूकता वैन ने राज्य के 45 शहरों और कस्बों का दौरा किया। 1 सितंबर 2026 से शुरू हुए इस अभियान में एक वैन ने खंडवा, बुरहानपुर, संधवा, हरवा, देवास, उज्जैन, आगर, नागदा, धार, रतलाम, नीमच और मंदसौर सहित अन्य क्षेत्रों को कवर किया। वहीं, दूसरी वैन इटारसी, झाबुआ, आष्टा, सीहोर, विदिशा, नर्मदापुरम और बैतूल सहित विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची। 39 दिनों के दौरान दोनों वैन ने करीब 9,840 किलोमीटर की यात्रा की और जमीनी स्तर पर लोगों से सीधे संवाद के जरिए लगभग 5 लाख लोगों तक स्वास्थ्य बीमा का संदेश पहुंचाया। इस दौरान परिवारों, वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों, स्वरोजगार करने वाले पेशेवरों और स्थानीय कारोबारियों से बातचीत की गई।

इस पहल पर टप्पणी करते हुए स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के मध्य

ग्रामीण सहकारी समितियों में बदलाव क्यों जरूरी?

सहकारी क्षेत्र में बीते कुछ वर्षों के दौरान नीतिगत स्तर पर कुछ ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय स्तर की कुछ सहकारी संस्थाओं जैसे महत्त्वकांक्षी भारत टैक्समी की शुरुआत की गई है। उम्मीद है कि यह दो कैब एग्रीगेटर्स के बाजार पर दबदबे को चुनौती देगी और कैब सेगमेंट में ‘अमूल’ जैसी बनेगी। ज्यादातर पहल राष्ट्रीय स्तर पर हुई हैं। ऐसी भी चर्चा है कि नई प्राथमिक कृषि ऋा और प्राथमिक दुग्ध समितियां बनाई जा रही हैं।

अब हमें बतले हुए पारिस्थितिकी तंत्र और खिलाड़ियों के मद्देनजर ग्रामीण सहकारी समितियों की संरचना पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, वर्ष 1956 में अखिल भारतीय ग्रामीण ऋा सर्वेक्षण समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद नीति निर्माताओं ने ग्रामीण स्तर पर वित्तीय संस्थानों को विकेंद्रीकृत करने की परिकल्पना पेश की थी और यह अभी भी अवधारणा के रूप में कायम है।

वास्तव में ग्रामीण ऋा को औपचारिक बनाने का पहला दौर प्राथमिक सहकारी समितियों के माध्यम से हुआ था। दूसरे चरण में राष्ट्रीयकृत बैंकों ने अपनी शाखा-लाइसेंसिंग नीति और प्राथमिकता-क्षेत्र ऋा के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश किया। इसके बाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) आए थे। इनसे आस लगाई गई थी कि वे स्थानीय माहौल की जरूरत के अनुकूल पेशेवर संस्था बनेंगे।

पिछले कुछ वर्षों में आरआरबी का एकीकरण हुआ है। आरआरबी अधिनियम में भी निजी क्षेत्र के शेयरधारक को शामिल करने के लिए संशोधन किया गया है। यह स्पष्ट है कि आरआरबी के वाणिज्यिक हित उन्हें अपने मौजूदा केंद्रित एजेंडे से दूर ले जा रहे हैं। इस संदर्भ में हमें उन अति-स्थानीय संस्थाओं को नहीं भूलना चाहिए जो दूरदराज के गांवों में अंतिम महिला तक सेवा प्रदान करती रहेंगी। यह प्राथमिक सहकारी समितियों के माध्यम से ही संभव हो सकता है।

हमारे पास ग्रामीण प्राथमिक सहकारी समितियों की संख्या का स्पष्ट अनुमान नहीं है। दरअसल, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई) ने देश में ऋा और गैर-ऋा सहकारी समितियों के आंकड़े एकत्र करना और प्रकाशित करना बंद कर दिया। अपने शीर्ष स्तर पर हमारे पास संभवतः 1,00,000 से अधिक प्राथमिक सहकारी समितियां थीं जो ऋा वितरण का काम करती थीं। उनमें से संभवतः 60 फीसदी सक्रिय थीं। यह मान लेना ठीक हो सकता है कि आज 40,000 से 50,000 प्राथमिक सहकारी समितियां सक्रिय हैं।

ग्रामीण सहकारी समितियों की समस्या यह है कि वे बहुत कमजोर होती हैं और आसानी से विफल हो जाती हैं। उन्हें ऐतिहासिक रूप से ‘ऋा’ सहकारी समितियों के रूप में बनाया

नहीं होती, उसके लिए समाज की चेतना में समानता और संवेदनशीलता का विकास भी जरूरी है। इसी तरह शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि विवेकशील, जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिक तैयार करना भी है। इस दृष्टि से संपूर्ण क्रांति आज भी एक प्रासंगिक विचार है। इसका पहला संदेश है कि व्यवस्था परिवर्तन की शुरुआत व्यक्ति के आत्मपरिवर्तन से होनी चाहिए। जब तक राजनीतिक नेतृत्व अपने आचरण में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं अपनाएगा, तब तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकते। दूसरा संदेश है कि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका रचनात्मक होनी चाहिए। सत्ता का दायित्व विकास, सुशासन और जनकल्याण सुनिश्चित करना है, जबकि विपक्ष का कर्तव्य सरकार की गलतियों को उजागर करने के साथ-साथ बेहतर नीतियों और विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना भी है। केवल विरोध करना विपक्ष की सक्रियता का प्रमाण नहीं हो सकता। उसे यह बताना होगा कि वह देश की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और सामाजिक समरसता के लिए कौन-से वैकल्पिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी भूमिका को केवल सत्ता प्राप्त करने की आकांक्षा तक सीमित न रखे। यदि विपक्ष का समूचा विमर्श आरोपों, व्यक्तिगत आक्षेपों और राजनीतिक विरोध तक सिमट जाता है, तो वह जनता के विश्वास को मजबूत करने के बजाय कमजोर करता है। लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन की संभावना जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है कि जनता के सामने विश्वसनीय विकल्प भी मौजूद हों। जयप्रकाश नारायण ने तत्कालीन सत्ता को चुनौती इसलिए दी थी कि उन्हें व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता महसूस हुई थी। उनके आंदोलन के केंद्र में भ्रष्टाचार, नागरिक अधिकार, लोकतांत्रिक मर्यादा और जनहित के प्रश्न थे। आज उनके नाम और नारा का उपयोग करने वाले राजनीतिक दलों की भी अपने आचरण की कसौटी इन्हीं मूल्यों को बनाना चाहिए। यह अपेक्षा केवल विपक्ष से नहीं, सत्तारूढ़ दलों और समूचे राजनीतिक वर्ग से है। लोकनायक का एक और महत्वपूर्ण संदेश सत्ता के विकेंद्रीकरण और जनभागीदारी से संबंधित है। वे चाहते थे कि लोकतंत्र

-**ललित गर्ग**

स्टार हेल्थ इंश्योरेंस का मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा जागरूकता रोडशो संपन्न, 45 शहरों और कस्बों में करीब 5 लाख लोगों तक पहुंचा

भारत की पहली स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनी स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनएसई-स्क्रॉल#भ्रक्ष॥; बीएसई- 543412) ने मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा जागरूकता रोडशो के माध्यम से हमने राज्य के विभिन्न समुदायों तक सीधे पहुंचकर इस विषय पर संवाद किया। पर्याप्त बीमा कवर, कैशलेस अस्पताल में भर्ती और वित्तीय तैयारी जैसे विषयों को सरल तरीके से समझाकर हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों को अपने स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रोडशो के दौरान स्टार हेल्थ के प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य बीमा से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर लोगों को जानकारी दी। इनमें कम उम्र में बीमा लेने का महत्व, पर्याप्त बीमा राशि का चयन, कैशलेस अस्पताल में भर्ती की प्रक्रिया को समझना और भविष्य में होने वाले स्वास्थ्य खर्चों के लिए योजना बनाना शामिल था। इन संवादों का उद्देश्य बीमा से जुड़ी जानकारी को सरल बनाना और परिवारों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करना था।

अभियान के दौरान कंपनी की टॉक टू स्टार सेवा के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई। यह सेवा अस्पताल में नियोजित भर्ती या होम हेल्थकेयर की योजना बना रहे बीमाधारकों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है। इसके जरिए ग्राहक अपनी पॉलिसी में परिवारों को अचानक आने वाले चिकित्सा खर्चों के वित्तीय प्रभाव से बचाने में मदद कर सकता है, लेकिन इसकी शुरुआत जागरूकता और सही जानकारी से होती है। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा जागरूकता रोडशो के माध्यम से हमने राज्य के विभिन्न समुदायों तक सीधे पहुंचकर इस विषय पर संवाद किया। पर्याप्त बीमा कवर, कैशलेस अस्पताल में भर्ती और वित्तीय तैयारी जैसे विषयों को सरल तरीके से समझाकर हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों को अपने स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रोडशो के दौरान स्टार हेल्थ के प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य बीमा से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर लोगों को जानकारी दी। इनमें कम उम्र में बीमा लेने का महत्व, पर्याप्त बीमा राशि का चयन, कैशलेस अस्पताल में भर्ती की प्रक्रिया को समझना और भविष्य में होने वाले स्वास्थ्य खर्चों के लिए योजना बनाना शामिल था। इन संवादों का उद्देश्य बीमा से जुड़ी जानकारी को सरल बनाना और परिवारों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करना था।

अभियान के दौरान कंपनी की टॉक टू स्टार सेवा के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई। यह सेवा अस्पताल में नियोजित भर्ती या होम हेल्थकेयर की योजना बना रहे बीमाधारकों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है। इसके जरिए ग्राहक अपनी पॉलिसी में परिवारों को अचानक आने वाले चिकित्सा खर्चों के वित्तीय प्रभाव से बचाने में मदद कर सकता है, लेकिन इसकी शुरुआत जागरूकता और सही जानकारी से होती है। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा जागरूकता रोडशो के माध्यम से हमने राज्य के विभिन्न समुदायों तक सीधे पहुंचकर इस विषय पर संवाद किया। पर्याप्त बीमा कवर, कैशलेस अस्पताल में भर्ती और वित्तीय तैयारी जैसे विषयों को सरल तरीके से समझाकर हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों को अपने स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रोडशो के दौरान स्टार हेल्थ के प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य बीमा से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर लोगों को जानकारी दी। इनमें कम उम्र में बीमा लेने का महत्व, पर्याप्त बीमा राशि का चयन, कैशलेस अस्पताल में भर्ती की प्रक्रिया को समझना और भविष्य में होने वाले स्वास्थ्य खर्चों के लिए योजना बनाना शामिल था। इन संवादों का उद्देश्य बीमा से जुड़ी जानकारी को सरल बनाना और परिवारों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करना था।

अभियान के दौरान कंपनी की टॉक टू स्टार सेवा के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई। यह सेवा अस्पताल में नियोजित भर्ती या होम हेल्थकेयर की योजना बना रहे बीमाधारकों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है। इसके जरिए ग्राहक अपनी पॉलिसी में परिवारों को अचानक आने वाले चिकित्सा खर्चों के वित्तीय प्रभाव से बचाने में मदद कर सकता है, लेकिन इसकी शुरुआत जागरूकता और सही जानकारी से होती है। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा जागरूकता रोडशो के माध्यम से हमने राज्य के विभिन्न समुदायों तक सीधे पहुंचकर इस विषय पर संवाद किया। पर्याप्त बीमा कवर, कैशलेस अस्पताल में भर्ती और वित्तीय तैयारी जैसे विषयों को सरल तरीके से समझाकर हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों को अपने स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रोडशो के दौरान स्टार हेल्थ के प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य बीमा से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर लोगों को जानकारी दी। इनमें कम उम्र में बीमा लेने का महत्व, पर्याप्त बीमा राशि का चयन, कैशलेस अस्पताल में भर्ती की प्रक्रिया को समझना और भविष्य में होने वाले स्वास्थ्य खर्चों के लिए योजना बनाना शामिल था। इन संवादों का उद्देश्य बीमा से जुड़ी जानकारी को सरल बनाना और परिवारों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करना था।

अभियान के दौरान कंपनी की टॉक टू स्टार सेवा के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई। यह सेवा अस्पताल में नियोजित भर्ती या होम हेल्थकेयर की योजना बना रहे बीमाधारकों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है। इसके जरिए ग्राहक अपनी पॉलिसी में परिवारों को अचानक आने वाले चिकित्सा खर्चों के वित्तीय प्रभाव से बचाने में मदद कर सकता है, लेकिन इसकी शुरुआत जागरूकता और सही जानकारी से होती है। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा जागरूकता रोडशो के माध्यम से हमने राज्य के विभिन्न समुदायों तक सीधे पहुंचकर इस विषय पर संवाद किया। पर्याप्त बीमा कवर, कैशलेस अस्पताल में भर्ती और वित्तीय तैयारी जैसे विषयों को सरल तरीके से समझाकर हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों को अपने स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अब समय आ गया है कि हमारे पास जमीनी स्तर पर जीवंत, स्थािराशित और जिम्मेदार वित्तीय संस्थान हों, खासकर तब जब आरआरबी का विलय हो रहा है और वे अपने बहीखाते को बेहरा बना रहे हैं।

-**धनंजय राजौरा**

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर गायत्री शक्तिपीठ पर हुआ पितरों का तर्पण

बड़ी संख्या में शामिल हुए शहरवासी, ज्ञात-अज्ञात दिवंगतों की आत्मशांति के लिए किया आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या पर्व पर शहरवासियों ने अपने ज्ञात-अज्ञात दिवंगतों की आत्मशांति के लिए तर्पण कर अपने पूर्वजों की आत्मशांति के लिए तर्पण किया। तो गायत्री शक्तिपीठ पर भी चल रहे निःशुल्क तर्पण के तहत यहां भी सारी प्रक्रियाएं निःशुल्क की गईं।

गायत्री शक्तिपीठ पर श्राद्ध पक्ष में पूरे 16 दिनों तक प्रतिदिन तर्पण किया गया। जहां रविवार को सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या पर भी सभी ज्ञात-अज्ञात दिवंगतो की आत्म शांति के लिए तर्पण किया गया। इसमें शहरवासियों ने शामिल होकर अपने दिवंगत पूर्वजों की आत्मशांति के लिए तर्पण कर सुख-समृद्धि बनाए रखने व पूर्वजों से आशीर्वाद लिया। इस दौरान गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी प्रदीप कुमार वैद्य, ट्रस्टी हरीश शर्मा, ट्रस्टी शैलेंद्र श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारियों ने सारी



प्रक्रियाएं करवाई और शहरवासियों ने उनके निर्देशानुसार तर्पण की क्रिया की। इस दिन सभी ऋषि मुनियों, देवताओं, पितरों के तर्पण के साथ-साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों का भी तर्पण किया गया। शाजापुर नगर से जुड़े पंडित बालकृष्ण शर्मा जी नवीन, प्रभागचंद्र शर्मा, किशोरभाई त्रिवेदी, चांदमल

जी राम सहित अनेक महापुरुषों को जलांजलि अर्पित की गई और सभी ने अपने महान पूर्वजों को नमन करते हुए उनकी आत्मशांति हेतु यज्ञ में आहुति भी प्रदान की। आयोजन के प्रति सभी भागीदारों ने प्रसन्नता और संतुष्टि प्रकट करते हुए मुक्त कंठ से सराहना की। गायत्री परिवार के सेवाभावी कार्यकर्ताओं के सहयोग से आयोजन की व्यवस्थाएं बनाई गईं।

300 से अधिक नगरवासी हुए शामिल, दो पारी में संपन्न हुई तर्पण का प्रक्रिया- गायत्री शक्तिपीठ पर रविवार को हुए तर्पण में नगरवासियों ने उत्साह से भाग लिया। इस दिन 300 से अधिक लोगों ने अपने महान पूर्वजों

के तर्पण के लिए शक्तिपीठ पहुंचकर पूरे विधि-विधान और संपूर्ण प्रक्रिया के साथ तर्पण किया। अधिक संख्या में नगरवासियों के पहुंचने पर यहां दो पारियों में तर्पण कराया गया। प्रातः 7 से 11 बजे तक यह प्रक्रिया की गई और नगरवासियों ने संतुष्टि जाहिर करते हुए शक्तिपीठ के ट्रस्टियों सहित पदाधिकारियों व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

नदी पर किया सामग्री का विसर्जन- 16 दिनों तक अपने पूर्वजों का श्राद्ध व तर्पण करने के बाद रविवार को सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या पर नगरवासियों द्वारा महपुरा रफ्ट स्थित चीलर नदी पर पूजन सामग्री का विसर्जन किया। इसके बाद परजनों ने अपने पूर्वजों से सुख-समृद्धि की कामना की। इधर नदी पर सामग्री विसर्जित करने पहुंचे नगरवासियों ने नपा द्वारा घाटों की सफाई न करवाने व कोई व्यवस्था न किए जाने को लेकर भी नाराजगी जताई।

सुख-समृद्धि के साथ गज पर सवार होकर आएंगी माता रानी 10 दिनों तक होगी माता शक्ति की आराधना, मां राजराजेश्वरी मंदिर में पूर्ण हुई तेयारी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। माता की भक्ति के पर्व नवरात्रि की शुरुआत 22 सितंबर से होगी। इसके पहले नगर में नवरात्रि को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। माता की प्रतिमाओं को विराजित करने के लिए पंडाल सजाए जा रहे हैं। इधर मां राजराजेश्वरी माता मंदिर पर भी शारदीय नवरात्रि को लेकर विशेष साज-सज्जा की जा रही है। इस बार माता रानी गज पर सवार होकर आएंगी। जो सुख-समृद्धि और सुख-शांति का प्रतीक है।

शारदेय नवरात्रि पर बड़ी संख्या में भक्त माता की आराधना करेंगे। साथ ही नगर में समस्त माता मंदिरों में भी माता की घट स्थापना की जाएगी। नगर के विभिन्न स्थानों पर बनाएं जा रहे पंडालों में भी माता की प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। शारदेय नवरात्रि को लेकर भक्तों में उत्साह दिखाई देने लगा है। जगह-जगह आकर्षक पंडालों को सजाया जा रहा है। इधर माता की भक्ति के लिए गरबों की भी प्रैक्टिस की जा रही है। नगर में अलग-अलग समाजजनों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर गरबों का आयोजन किया जाएगा। इसमें छोटी-छोटी बालिकाओं से लेकर युवतियां एवं महिलाएं भी प्रतिदिन अलग-अलग थीम और ड्रेसकोड के हिसाब से गरबा करेंगी।

गज पर सवार होकर होगा मां दुर्गा का आगमन- पं. राजेंद्र प्रकाश व्यास (शाजापुर वाले) ने बताया कि शारदेय नवरात्रि 2026 में मां दुर्गा का आगमन गज



(हथी) पर होगा। इस बार नवरात्र 10 दिन (11 से 20 अक्टूबर से) तक रहेंगे। पं. व्यास ने बताया कि मां दुर्गा का आगमन रविवार के दिन हो रहा है, इसलिए इस बार उनका वाहन गज होगा। मान्यता है कि गज पर आगमन होने से सुख-समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि माता की घट स्थापना के लिए रविवार को सुबह 6.19 से 10.12 तक मुहूर्त है।

इस मुहूर्त में माता की घट स्थापना करना सबसे उत्तम है। प्रातः 9.30 बजे होगी मां राजराजेश्वरी मंदिर पर घट स्थापना- मां राजराजेश्वरी माता मंदिर के पुजारी पं. सुनील नागर ने बताया कि शारदेय नवरात्रि पर प्रातः 9.30 बजे माता की घट स्थापना की जाएगी। इसके पश्चात प्रतिदिन प्रातः 5 बजे और रात्रि 9 बजे माता की आरती होगी। पं. नागर ने बताया कि पूरे नवरात्र में प्रतिदिन माता का अलग-अलग श्रृंगार किया जाएगा। वहीं रविवार को होने वाली घट स्थापना के अवसर पर विधायक अरूण भीमावद, कलेक्टर ऋजू बाफना, एसपी प्रियंका शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी सहित मंदिर समिति सदस्य उपस्थित रहेंगे।

गायत्री शक्तिपीठ पर भी होगा आयोजन- गायत्री शक्तिपीठ के पं. हरीश शर्मा ने बताया कि नवरात्रि पर्व शक्तिपीठ पर धूमधाम से मनाया जाएगा। यहां प्रतिदिन माता की आरती व यज्ञ का आयोजन होगा।

बोमा पद्धति से शुरू हुआ हिरणों और नीलगाय का रेस्क्यू



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुजालपुर, कालपीपल और उज्जैन जिले के सीमावर्ती इलाकों में फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हिरणों को सुरक्षित रीलोकेट करने का अभियान शुरू हो गया है। 9 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत शनिवार को पहले दिन हेलीकाप्टर की मदद से हांका लगाकर ग्राम हजूखेड़ी से 97 कृष्णमृगों को बोमा पद्धति से पकड़ा गया। जिन्हें सुरक्षित स्थान पर भेजने का काम भी शुरू हो चुका है।

देश में हेलीकॉप्टर से हांका लगाकर बोमा तकनीक से वन्यजीवों को रेस्क्यू करने की शुरुआत लगातार दूसरे वर्ष शुजालपुर से ही की गई है। शनिवार को अभियान के पहले चरण में हेलीकाप्टर के जरिए कृष्णमृगों को सुक्ष्मिष्ठ भेरे तक पहुंचाया गया। अब अगला चरण शनिवार देर शाम या रविवार सुबह शुरू किया जाएगा। इस उच्च स्तरीय अभियान में दक्षिण अफ्रीका की कंजर्वेशन साल्यूशन टीम के 14 विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके अलावा वन विभाग, राजकव और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों सहित भोपाल और अन्य जिलों से पहुंचे लगभग 200 कर्मचारियों की टीम इस अभियान में जुटी हुई है।

कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों ने देखी व्यवस्था- अभियान की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और तैयारियों का पूरा खाका तैयार किया है। अभियान की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले 9 अक्टूबर को प्रमुख सचिव वन रावेंद्र कुमार सिंह, वन बल प्रमुख शुभांजन सेन आदि ने हजूखेड़ी पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था।

विवादों में घिरी संभागीय कराते प्रतियोगिता, किसी को मौका नहीं मिला, तो किसी के साथ हुआ भेदभाव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शुरुवार को हुई संभागीय कराते प्रतियोगिता विवादों के घेरे में आ गई। जहां बाहर से आए खिलाड़ियों ने अव्यवस्थाओं के आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया और नारेबाजी की। वहीं लड़कियों के लिए भी विभागीय अधिकारी व्यवस्था नहीं जुटा पाए। एक खिलाड़ी ने आवाज उठाने पर उसे थपड़ मारने का भी आरोप लगाया है।

जो प्रतियोगिता सुबह 9 बजे शुरू होनी थी वह विवादों के चलते रात करीब 12 बजे तक



चलती रही। उज्जैन संभाग के सात जिलों से 300 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, लेकिन 50 से ज्यादा देरी के कारण भाग नहीं ले पाए। यही नहीं खिलाड़ियों के लिए शिक्षा विभाग ने पुलिस, एंबुलेंस और प्राथमिक

उपचार तक की व्यवस्था नहीं की। यही नहीं प्रतियोगिता में बाहर से आई छात्राओं ने सुरक्षा और ठहरने की उचित व्यवस्था न होने की भी शिकायत की। जिनके लिए न व्यवस्थित वाशरूम था और न ही पीने के पानी की कोई व्यवस्था की गई थी। कोच और खिलाड़ियों ने भी उज्जैन संभाग के बजाए भोपाल के निर्णायकों को प्रतियोगिता में शामिल करने की बात कही। जिसके चलते उन्हें मौका नहीं मिला। जिसका खामियाजा कई खिलाड़ियों को भुगतना पड़ा।

दो दिन होना थी प्रतियोगिता, एक दिन में

ही हो गया समापन सूत्रों की माने तो प्रतियोगिता के संचालन में प्रतियोगिता में बजट बचाने के लिए दो दिन चलने वाली प्रतियोगिता को एक ही दिन में समाप्त करने का प्रयास किया गया। जबकि खिलाड़ियों के लिए कोई सुविधा नहीं दी गई। जबकि जिन अतिथियों को यहां आमंत्रित किया गया था उन्हें सारी सुविधाएं दी गईं। यही नहीं देवास के खिलाड़ी ध्रुव गवली ने बताया कि जब उन्होंने इसके लिए विरोध जताते हुए अपनी बात कहना चाही तो उन्हें चांटा मारकर डराया गया।

बार-बार हो रही अघोषित कटौती से बेरछावासियों में बढ़ रहा आक्रोश

महिला मोर्चा और जनप्रतिनिधियों ने उठाई लोगों की आवाज, कटौती बंद करने साँपा ज्ञापन

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। त्यौहारी सीजन में जिले के ग्राम बेरछा में प्रतिदिन घंटो अघोषित कटौती की जा रही है। जिसके चलते गर्मी के मौसम में महिलाओं और बच्चों का बुरा हाल हो रहा है। इस समस्या को लेकर शनिवार को महिला मोर्चा की महिलाओं ने एमपीईबी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा जिसमें बार-बार हो रही कटौती को बंद करने की मांग की गई।



दरअसल दिन हो या रात कभी भी बिजली गुल हो जाती है। जबकि इन दिनों तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी हो

रही है। न दिन में लोगों को चैन मिल रहा है और न ही रात में उन्हें राहत मिल पा रही है। सबसे बुरा हाल महिलाओं और बच्चों का हो रहा है। इधर बाजार में दुकान चलाने वालों के भी व्यापार पर इस कटौती का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कई लोगों को इस कटौती के चलते नुकसान उठाना पड़ रहा है। खास बात यह है कि इस संबंध में जब अधिकारियों से चर्चा करें तो वे भी संतोषप्रद जवाब नहीं देते जिससे लोगों में अब बिजली कंपनी के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रह है।

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय पालिटेक्निक कालेज में इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन का स्थापना मनाया गया। जहां विद्यार्थियों को जल संरक्षण व जल प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताते हुए इसके लिए प्रेरित किया गया।

कॉलेज प्राचार्य विपुल परमाथी



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डरें नहीं, आप जॉब्स क्रिएट करने वाले लोग हैं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय पालीटेक्निक महाविद्यालय में सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय तकनीकी एवं रचनात्मक कार्यक्रम टेक्नो उदय का समापन शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल, नवाचार, रचनात्मकता एवं व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करना रहा।



पुरस्कार वितरण और समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि व जनभागीदारी समिति सदस्य उमेश टेलर, संस्था के प्राचार्य विपुल परमाथी उपस्थित रहे जिन्होंने विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के साथ ही उन्हें प्रोत्साहित भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथि उमेश टेलर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नकली भूत से डरें नहीं, आप जाब्स क्रिएट करने वाले हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपना

भविष्य संवारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की जो भी बतलाए, जबरदस्त बने। आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर युवाओं के मन में बैठाएं जा रहे डर पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि आज एआई का एक ऐसा हवा खड़ा कर दिया गया है जैसे कोई नकली शेर खड़े होकर असली शेरों को डरा रहा हो। श्री टेलर ने भारतीय

प्रकाश डाला गया। उज्जैन से पधारे अतिथियों ने बताया कि इस संस्था से जुड़कर तकनीकी विरोधियों, इंजीनियरों एवं विद्यार्थियों को जल एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन से संबंधित विषयों पर तकनीकी मार्गदर्शन, ज्ञानवर्धन तथा व्यावसायिक विकास के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने तथा जल संरक्षण, स्वच्छता एवं आधुनिक जल प्रबंधन

तकनीकों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में इस अवसर पर शासकीय पालिटेक्निक कॉलेज के छह सदस्यों गायत्री सिंह, सपना महाजन, योगेश मानकर, सुरेश पगारिया, अप्रिंत सक्सेना एवं डॉ. मोनिका दीक्षित की संस्था से संबद्धता भी उल्लेखनीय रही। इस दौरान कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को जल संरक्षण एवं सतत जल प्रबंधन के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर अमलतास पैरामेडिकल कॉलेज में वैल्यू एडेड कोर्स का आयोजन



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पैरामेडिकल साइंसेज) में पैरामेडिकल विद्यार्थियों के लिए एक विशेष वैल्यू एडेड कोर्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय Lived Experiences Heard: Real Voices, Real Change अर्थात अनुभवों को मिले आवाज़, वास्तविक बदलाव की शुरुआत रहा।

इस विशेष सत्र का संचालन डॉ. खालिद पटेल खान द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. विधि तिवारी ने किया तथा संपूर्ण कार्यक्रम का मार्गदर्शन डॉ. स्नेहा सहाय, यूथम डायरेक्टर (पैरामेडिकल) के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को

भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कार्य करते समय मरीजों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया।

इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञान, संवाद कौशल, संवेदनशीलता और व्यावसायिक दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े व्यक्तिगत अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुनने, उनकी भावनाओं को समझने तथा समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के महत्व से अवगत कराया गया।

वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं पर खुलकर बातचीत करना, लोगों के अनुभवों को सम्मानपूर्वक सुनना और बिना किसी भेदभाव के सहयोग प्रदान करना आवश्यक है। विद्यार्थियों को

कामिका धाम में सर्वपितृ अमावस्या पर निःशुल्क तर्पण, पितरों की शांति के लिए श्रद्धालुओं ने किया अनुष्ठान



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्वपितृ अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार, 10 अक्टूबर को जवाहर नगर स्थित कामिका धाम में निःशुल्क पितृ शांति तर्पण का आयोजन किया गया। प्रातः 11 बजे प्रारंभ हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में देवास सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में

श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने विधि-विधानपूर्वक अपने पितरों के निमित्त तर्पण कर उनकी शांति और सद्गति की कामना की। कामिका धाम सेवा समिति के गुरूप्रीत ईसर, हेमंत उपाध्याय, हेमंत बिस्मोरे, अंकित सिंह, राकेश मनी गोस्वामी, भावेश पालीवाल एवं संजय सिंह चौहान ने बताया कि आयोजन विश्वविख्यात भागवताचार्य डॉ. सर्वेश्वर शर्मा (सर्वेश्वर गुरुजी) तथा कापालिक अखाड़े के संस्थापक एवं पीठाधीश्वर तार्निक सम्राट भय्यू महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भागवताचार्य डॉ. सर्वेश्वर शर्मा (सर्वेश्वर गुरुजी) ने बताया कि सनातन परंपरा में पितृ तर्पण का विशेष महत्व है। यह अनुष्ठान अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। सर्वपितृ अमावस्या पर पितरों के निमित्त तर्पण करने की परंपरा के माध्यम से श्रद्धालु अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं और उनकी आत्मिक शांति की कामना करते हैं।

अवैध शराब परिवहन पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, एक्टिवा सहित 65 हजार की शराब जब्त



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग देवास ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान आरोपी के कब्जे से एक्टिवा वाहन और 50 पाव देशी मदिरा प्लेन बरामद की गई। जब्त मदिरा एवं वाहन का बाजार मूल्य करीब 65 हजार रूपए बताया गया है। आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश के निर्देश, कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 9 अक्टूबर को सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनासे के नेतृत्व में मुखबिर्त की सूचना पर देवास शहर में अवैध रूप से मदिरा का परिवहन करते एक व्यक्ति को पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, राजाराम रायकवार, दीपक धुरिया तथा आबकारी आरक्षक निहाल खत्री, निकिता परमार और सविता शामिल रहे। विभाग ने बताया कि अवैध मदिरा के खिलाफ कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

समृद्ध विरासत की याद दिलाते हुए कहा कि ओरिजनल इंटेलिजेंस, ओरिजनल ही होता है और उसके सामने आर्टिफिशियल कभी नहीं टिक सकता। उन्होंने बच्चों और युवाओं से आह्वान किया कि शिक्षा ग्रहण करें, जाब भी हासिल करें, लेकिन इस कृत्रिम डर का शिकार बिल्कुल न हों।

विभिन्न विभागों और विद्यालयों की सहभागिता- इस आयोजन में संस्था के विभिन्न विभागों-डिप्लोमा इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों एवं आईटीआई के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इसके साथ ही कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंत में आभार संस्था प्राचार्य डॉ. विपुल परमाथी ने माना।

व्यक्तित्व ऐसा, जो स्मृतियों में सदैव जीवित रहेगा- सादगी, सहजता और शिक्षा के प्रति समर्पण की मिसाल थे स्व. ओपी पालीवाल - प्राचार्य निगम

57 वर्षों की मित्रता की स्मृतियों ने किया भावुक, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों ने किया स्मरण

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावरा- सादगी की मिसाल थे, व्यवहार में था प्यार, शिक्षा जगत में छोड़ गए, यादों का संसार।

देह भले ही दूर हुई, विचार रहेंगे साथ, पालीवाल जी अमर रहेंगे, जन-जन के हृदय में आज।

श्रद्धेय स्वर्गीय पालीवाल जी को विनम्र श्रद्धांजलि एवं श्त्-शत् नमन।

व्यक्तित्व ऐसा जो स्मृतियों में सदैव जीवित रहेगा पालीवाल जी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सहजता, सादगी और सभी के साथ आत्मीयतापूर्ण व्यवहार था। वे शिक्षकों की समस्याओं को समझने उन्हें सहयोग देने और विद्यालय में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने में विश्वास रखते थे। विद्यालय के विकास कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा अपने सहकर्मियों के साथ उनका मृदु और सम्मानजनक व्यवहार उन्हें विशिष्ट बनाता था। किसी व्यक्ति का जाना उसके जीवन की यात्रा का विराम हो सकता है लेकिन उसके अच्छे विचार, संस्कार, कार्य और व्यवहार समाज के हृदय में सदैव



जीवित रहते हैं। उन्होंने अपने व्यवहार और कर्मों से जो विश्वास अर्जित किया वही उनकी सबसे बड़ी विरासत है। उनके जैसे व्यक्तित्व शिक्षा जगत के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि एक अच्छा प्राचार्य केवल विद्यालय का प्रशासन नहीं संभालता बल्कि अपने व्यवहार, नेतृत्व और संवेदनशीलता से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव भी छोड़ता

उक्त उद्घोषण गौदी धर्मसी के एकीकृत शासकीय हाईस्कूल में पालिवाल परिवार द्वारा आयोजित पूर्व संकुल प्राचार्य श्रद्धेय स्वर्गीय ओपी पालीवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर

आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि शासकीय हाईस्कूल लुनी आलोट के प्राचार्य अखिलेश कुमार निगम ने स्वर्गीय पालीवाल को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए स्मृति संदेश के रूप में कह गए।

*दिनेश डुंगरवाल के साथ 57 वर्षों की मित्रता स्मृतियों ने किया भावुक- श्रद्धांजलि कार्यक्रम का एक अत्यंत भावुक पक्ष स्वर्गीय पालीवाल के 57 वर्षों पुराने मित्र दिनेश डुंगरवाल की उपस्थिति रही। उन्होंने पालीवाल के साथ बिताए वर्षों की स्मृतियों को साझा करते हुए उनके मिलनसार स्वभाव, आत्मीयता और मित्रता के प्रति समर्पण को याद किया। पुरानी यादों के पुनः जीवंत होने से उपस्थित जन भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर सभी ने अनुभव किया कि किसी व्यक्ति का वास्तविक जीवन उसके पद अथवा प्रतिष्ठ से नहीं बल्कि लोगों

के हृदय में छोड़ी गई अमिट छाप से पहचाना जाता है।

पालीवाल परिवार ने आत्मीयता के साथ किया सभी का सम्मान- इस अवसर पर स्वर्गीय पालीवाल की धर्मपत्नी मंजुला पालीवाल, उनकी सुपुत्रियां श्रद्धा पालीवाल आनंद पालीवाल एवं शैल मनीष पालीवाल, बड़े भाई कुंज बिहारी पालीवाल, राधेश्याम पालीवाल, दयाशंकर पालीवाल बहिन दुर्गा पालीवाल व तारा पालीवाल तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों, ग्रामवासियों, स्नेहीजनों और सम्माननीय अतिथियों के प्रति अभार व्यक्त किया। पालीवाल परिवार की ओर से सभी के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था की गई जिसमें उपस्थितजनों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। परिवार ने स्वर्गीय पालीवाल की स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से उपस्थित स्नेहीजनों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामवासियों को कलम भेंट कर उनका अभिनंदन भी किया। यह पहल शिक्षा, ज्ञान और संस्कारों के प्रति स्वर्गीय पालीवाल के समर्पण को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त करती दिखाई दी।

शिक्षक, विद्यार्थी और ग्रामवासी बड़ी संख्या में हुए शामिल- श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ से मनोहरलाल पाटीदार महेश पाटीदार मनीष कारपेंटर दिगेश सोनी विनोद राठौर मनोहर शर्मा पवन चौहान सदीक मोहम्मद खान विनोद कुमार भट्ट घनश्याम अस्तोलिया मांगीलाल गरवाल प्रदीप परमार सहित संकुल के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, अतिथि शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। ग्राम गौदी धर्मसी के गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम की सफलता में संकुल केंद्र गौदी धर्मसी के शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार का सहायनीय सहयोग रहा। स्वर्गीय ओपी पालीवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम केवल स्मरण का अवसर नहीं बल्कि उनके सरल व्यक्तित्व, मानवीय संवेदनाओं, शैक्षणिक योगदान और आत्मीय संबंधों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक भावपूर्ण माध्यम बना। उनका स्नेह, उनकी कार्यशैली और उनकी स्मृतियां सदैव शिक्षा जगत एवं उनसे जुड़े लोगों के हृदय में जीवित रहेंगी।

श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने फिर लहराया परचम



आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 70वीं शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित संभाग स्तरीय कराते प्रतियोगिता में श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल, आलोट के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता में विद्यालय के चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों वैभवी पाटीदार, प्रिंस कुशवाह, भाविका जैन एवं छोट्टू रावत का चयन आगामी राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता आगामी 25 से 30 नवंबर तक ग्वालियर में आयोजित की जाएगी। खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि आपने खेल शिक्षक के कुशल मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास, अनुशासन एवं कड़ी मेहनत के बल पर हासिल की है। विद्यालय प्रबंधन ने खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की खेल उपलब्धियाँ विद्यालय के लिए गर्व का विषय हैं। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, साहस और संघर्ष करने की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने चारों खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि चारों खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

भूतड़ी अमावस्या पर नर्मदा आंवली घाट एवं कालियादेव पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भूतड़ी अमावस्या के अवसर पर जिले के नर्मदा आंवली घाट और कालियादेव पहुंचकर हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान कर पूजा अर्चना की। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के. तथा सपा श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं तथा पर्याप्त संख्या में जिला प्रशासन तथा पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं के अनुसार हिन्दू पूजा-पद्धति में अमावस्या से लेकर एकादशी तक अनेक प्रकार के व्रत एवं पूजन का विधान है। लोग अपनी आस्था एवं श्रद्धा के अनुसार विभिन्न धार्मिक स्थलों , तीर्थ स्थानों एवं पवित्र नदियों में स्नान और पूजा अर्चना कर पुण्य की प्राप्ति करते हैं।

बदलते मौसम में निमोनिया से बचाव एवं उपचार की दी सलाह

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदलते मौसम में बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आम जनों को सलाह दी है कि निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की एएनएम को निमोनिया के संबंध जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है। जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खासी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिन्ह है। प्रशिक्षण में शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा बच्चों में सांस की दर का गिनार निमोनिया के लक्षणों की पहचान के संबंध में जानकारी दी गई।

बच्चों में सांस की गति का ठीक ढंग से आकलन करके निमोनिया को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है। इसके लिए बच्चों की श्वास को एक मिनट तक निरंतर देखा जाता है। दो माह तक की उम्र के बच्चों की सांस लेने की दर एक मिनट में 60 या उससे अधिक होने पर, 2 माह से एक वर्ष तक की आयु में 50 या उससे अधिक एवं 1 वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों में प्रति मिनट 40 या उससे अधिक सांस की दर होने पर निमोनिया होने की संभावना रहती है। 5 वर्ष तक के बच्चों में सांघाधिक मृत्यु का कारण निमोनिया है।

300 साल पहले बंजारों ने की थी सलकनपुर में विजयासन धाम की स्थापना

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के सलकनपुर के पास, एक हजार फीट उंचे विन्ध्य पर्वत पर, माता विजयासन देवी का मंदिर है। यह देश के प्रसिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। पुराणों के अनुसार देवी विजयासन माता पार्वती का ही अवतार हैं। जिन्होंने देवताओं के आग्रह पर रक्तबीज नामक राक्षस का वध कर सृष्टि की रक्षा की थी। रक्तबीज का संहार कर विजय पाते पर देवताओं ने यहाँ माता को जो आसन दिया, वही विजयासन धाम के नाम से विख्यात हुआ, और माता का यह रूप विजयासन देवी कहलाया। एक किंवदंती यह भी प्रचलित है कि लगभग 300 साल पहले बंजारे अपने पशुओं के साथ जब इस स्थान पर विश्राम करने के लिए रुके तब अचानक उनके सारे पशु गायब हो गए। बहुत ढूँढने के बाद भी पशु नहीं मिले। तभी एक बुजुर्ग बंजारे को एक बालिका दिखाई दी। उस बुजुर्ग ने उस बालिका से पशुओं के बारे में पूछा तो उसने कहा कि, इस स्थान पर पूजा-अर्चना कीजिए आपको सारे पशु वापस मिल जाएंगे और हुआ भी वैसा ही। अपने खोए हुए पशु वापस मिलने पर बंजारों ने उस स्थान पर मंदिर का निर्माण किया। तभी से यह स्थल शक्ति पीठ के रूप में स्थापित हो गया। देशभर से हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन माता विजयासन के दर्शन एवं पूजा अर्चना के लिए आते हैं। नवरात्रि में यहाँ विशाल मेला लगता है। शारदीय नवरात्रि पर लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए आते हैं। यह भोपाल से 75 किलोमीटर दूर सीहोर जिले के सलकनपुर नामक गांव के में स्थित है। मंदिर परिसर तक रोपवे और सड़क मार्ग के साथ ही सीढ़ी मार्ग से भी जाया जा सकता है। मंदिर परिसर तक लगभग 1400 सौ सीढ़ियाँ हैं।

उल्लास एक अभिनव प्रयोग के अंतर्गत जिला न्यायालय में खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित



व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य हितधारकों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के साथ आपसी समन्वय, सहयोग एवं टीम भावना को मजबूत करना रहा।

प्रतियोगिताओं के अंतर्गत 9 अक्टूबर को जिला न्यायालय परिसर में शतरंज , कैसम, बैडमिंटन, म्यूजिकल चेयर रस एवं रस्साकशी जैसी खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। वहीं, 10 अक्टूबर को आवासीय खेलकूद क्रिकेट ग्राउंड में क्रिकेट प्रतियोगिता हुई, जिसमें चार टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एडवोकेट-11 एवं कोर्ट-11 के बीच खेला गया, जिसमें एडवोकेट-11 की टीम विजेता और कोर्ट-11 की टीम उपविजेता रही। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। साथ ही मैम ऑफ द मैच, मैम ऑफ द सीरीज एवं अन्य पुरस्कार भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, अन्य न्यायाधीश, लीगल एड डिफेंस कार्सिल के सदस्य, अधिवक्तागण, पैरा लीगल वॉलंटियर्स एवं न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल भावना, अनुशासन एवं पारस्परिक सहयोग का परिचय दिया।

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुबह से देर शाम तक दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालु, भगवान शनिदेव का दिनभर हुआ तेल अभिषेक, विशाल भंडारे में भक्तों ने ग्रहण की महाप्रसादी।

शनिचरी अमावस्या के पावन अवसर पर बड़ावदी स्थित नवग्रह शनि धाम में आस्था और भक्ति का अनुत्प संघम देखने को मिला। भगवान शनिदेव के दर्शन, पूजन और अभिषेक के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की आवाजाही बनी रही और धार्मिक माहौल के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगल की कामना की।

शनिचरी अमावस्या के अवसर पर मंदिर में विशेष धार्मिक गतिविधियां हुईं। श्रद्धालुओं



ने विधि-विधान से भगवान शनिदेव का तेल अभिषेक किया और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण मंदिर परिसर में दिनभर चहल-पहल बनी रही। पूरे क्षेत्र में

बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही के चलते मंदिर परिसर में एक दिवसीय मेले जैसा दृश्य नजर आया। धार्मिक आस्था के साथ सेवा और समर्पण की भावना भी आयोजन के

तेजाजी महाराज के मंच से गरजे कांग्रेस नेता बालकिशन धाकड़: अन्नदाता को बर्बाद करने की सरकारी साजिश के खिलाफ लड़ेंगे आर-पार की लड़ाई

सिंगोली तहसील के ग्राम उमेदपुरा में उमड़ा किसानों का सैलाब, धाकड़ ने विधायक के मेट्रो दावों की निकाली हवा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के किसानों के हक और अधोषित बिजली कटौती के खिलाफ जावद विधानसभा क्षेत्र के कद्दावर कांग्रेस नेता बालकिशन धाकड़ ने सीधे सूखे की भाजपा सरकार और क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सकलेचा के खिलाफ चौरफाा हमला बोल दिया है।

शुक्रवार को सिंगोली तहसील के ग्राम उमेदपुरा में आयोजित 5 दिवसीय तेजाजी महाराज के खेल के भव्य समापन अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए धाकड़ ने सरकार की नीतियों की धज्जियां उड़ाईं।

कार्यक्रम के दौरान श्री धाकड़ के साथ जावद जनपद सदस्य प्रतिनिधि पवन धाकड़ व वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा और कांग्रेस के युवा नेता अर्जुन धाकड़ सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी व जुझारू किसान नेता मंच पर कंधे से कंधा मिलाकर उपस्थित रहे।

सभी नेताओं ने एक स्वर में क्षेत्र के किसानों के प्रति एकजुटता जताई।

दिल्ली में मेट्रो दौड़ रही, पर जावद के किसान की मोटर टप- विशाल जनसमूह के बीच दहाड़ते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालकिशन धाकड़ ने क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सकलेचा के विकास के दावों को पूरी तरह खोखला साबित कर दिया। धाकड़ ने कहा कि विधायक महोदय हर मंच से यह ढिंढोरा पीटते नहीं थकते कि जावद बिजली के मामले में आत्मनिर्भर है और यहाँ उत्पादित सौर ऊर्जा से दिल्ली में मेट्रो ट्रेनें दौड़ रही हैं। धाकड़ ने सीधा सवाल दगा कि- अगर जावद की बिजली दिल्ली में मेट्रो दौड़ा सकती है, तो फिर जावद के ही धरतीपुत्रों के खेतों की मोटरें क्यों बंद पड़ी हैं? उन्होंने इसे क्षेत्र की जनता के साथ किया जा रहा ऐतिहासिक विश्वासघात और घोर अन्याय करार दिया।

चुनावी जुमला साबित हुआ आय दोगुनी



का नारा- बालकिशन धाकड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक केवल भाषणवीर बने हुए हैं। मंचों से किसानों की आय दोगुनी करने का राग अलापा जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि खाद, बीज और डीजल के दाम बढ़ाकर खेती की लागत को दोगुना कर दिया गया, पर जब

रबी की मुख्य सीजन में सिंचाई के लिए बिजली देने की बारी आई तो मेट्रोसेस के नाम पर अधोषित कटौती का धिौना खेल शुरू कर दिया गया। धाकड़ ने साफ कहा कि यह सरकार कभी किसानों की आय दोगुनी नहीं कर सकती, इसका मकसद सिर्फं कारपोरेट मित्रों को फायदा पहुंचाना और असली अन्नदाता को कंगाल बनाना है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव के कृषक कल्याण पर बड़ा प्रहार- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आड़े हाथों लेते हुए धाकड़ ने पूछा कि एक तरफ मध्य प्रदेश का मुखिया कृषक कल्याण वर्ष मंनाने का ढोंग रच रहा है, तो दूसरी तरफ रबी सीजन की बुवाई और सिंचाई के ऐन वक पर किसानों को बिजली के लिए रात-रात भर ठंडी रातों में खेतों पर भटकने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है?

क्या अन्नदाता को अंधेरे में रखना और

डॉ. व्यास की क्षेत्रवासियों से भावुक अपील: 'अस्पताल में हम रोज देखते हैं जिंदगी का संघर्ष, आपका एक यूनिट रक्त बचा सकता है बुझता हुआ चिराग'

चिकित्सा प्रभारी डॉ. इंतेश व्यास सहित स्वास्थ्य केंद्र के 9 जांबाजों ने स्वयं रक्तदान कर पेश की अनूठी मिसाल

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक चिकित्सक होने के नाते मैं और मेरा स्टाफ हर दिन अस्पताल की चौखट पर जिंदगी और मौत का खौफनाक संघर्ष देखते हैं। कई बार गंभीर दुर्घटना या प्रसव के समय खून की कमी से तड़पते मरीजों को देखकर दिल बैठ जाता है। ऐसे में आपका किया गया स्वैच्छिक रक्तदान किसी मरते हुए इंसान के लिए अमृत और उसके पूरे परिवार के लिए एक नया जीवन बन जाता है। इस पुनीत कार्य से बड़ा दुनिया में कोई धर्म नहीं है।

यह मर्मस्पर्शी और वैज्ञानिक संदेश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगोली के चिकित्सा प्रभारी डॉ. इंतेश व्यास ने सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर में जनता को संबोधित करते हुए दिया। शिविर में डॉ. व्यास का पूरा फोकस आम जनता और युवाओं के मन से रक्तदान के डर को बाहर निकालना था। इसी संकल्प के साथ उन्होंने सबसे पहले स्वयं बेड पर लेटकर रक्तदान किया और समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।



स्वास्थ्य विभाग के इन अधिकारियों व कर्मचारियों ने पेश की कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल- चिकित्सा प्रभारी डॉ. व्यास की इस मुहिम से प्रेरणा लेकर और मरीजों के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगोली के चिकित्सा अधिकारियों और स्टाफ ने स्वयं आगे आकर रक्तदान किया। विभाग के इन रक्तदाताओं में चिकित्सा प्रभारी डॉ. इंतेश व्यास, डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवेन्द्र भूरिया, राजेश धाकड़, कल्याण बाबर, लोकेश, विशाल, विकास और

संवेदनशील और अनुकरणीय कदम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

वैज्ञानिक तथ्यों से दूर किया भ्रम-शरीर में कमजोरी नहीं, आती है नई ऊर्जा - संबोधन के दौरान डॉ. व्यास ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में फैली भाँतियों पर सीधा प्रहार किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को समझाते हुए कहा, आज भी कई लोग सोचते हैं कि खून देने से शरीर कमजोर हो जाता है, जो कि पूरी तरह मिथक है।

विज्ञान गवाह है कि रक्तदान के मात्र 24

से 48 घंटों के भीतर शरीर में नया और बिल्कुल साफ रक्त बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। यह प्रक्रिया रक्तदाता को खुद दिक्कत की बोमारियों से बचाती है और शरीर में एक नई ऊर्जा का संचार करती है। इसलिए डरें नहीं, बल्कि आगे आकर हर छह महीने में रक्तदान को अपनी आदत बनाएं।

प्रेरणा का दिखा असर, कॉलेज स्टाफ से लेकर ग्रामीणों ने बड़-चढ़कर किया डोनेशन- चिकित्सा प्रभारी डॉ. व्यास और उनके स्टाफ के इस प्रेरक आह्वान का असर शिविर में देखते ही बना।

सिंगोली कस्बे के साथ-साथ दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों से आए युवाओं ने बड़-चढ़कर पंजीयन कराया। इस महाअभियान में शासकीय कॉलेज के प्राचार्य, प्राध्यापक (टीचर्स) और छात्र-छात्राओं सहित कुल 30 यूनिट रक्त संग्रह कराया गया। शिविर में व्यवस्था संभाल रही नीमच जिला ब्लड बैंक से आई मोबाइल यूनिट के तकनीकी दल ने पूरी सुखा, सीनिटाइजेशन और चिकित्सकीय मानकों के साथ ब्लड कलेक्ट किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा महिला मोर्चा ने शहीद पार्क पर आयोजित किया राष्ट्रीय रंगोली कार्यक्रम

भारत की आकृति की रंगोली बनाकर जनकल्याणकारी योजनाओं का दिया संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज भाजपा महिला मोर्चा द्वारा स्थानीय शहीद पार्क पर राष्ट्रीय रंगोली कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत की आकृति की आकर्षक रंगोली बनाकर देश की एकता, अखंडता, सांस्कृतिक गौरव एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। साथ ही रंगोली के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई।



कार्यक्रम का उद्देश्य रंगोली जैसी पारंपरिक भारतीय कला के माध्यम से राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना तथा

सरकार की जनहितकारी योजनाओं के प्रति नागरिकों को जागरूक करना रहा। रंगों से सजी भारत की आकृति ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने रचनात्मकता और उत्साह के साथ रंगोली के माध्यम से देश की विविधता में एकता और जनसेवा के

संकल्प को अभिव्यक्त किया। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी समाज के विभिन्न वर्गों

तक पहुंचकर सेवा, जनजागरूकता और जनभागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है। इसी क्रम में आयोजित राष्ट्रीय रंगोली कार्यक्रम ने भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को एक साथ जोड़ने का कार्य किया।

इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति कलावती यादव, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, डॉ. प्रभूलाल जाटवा, धनजय शर्मा, हितेश नागदेव, जगदीश पांचाल, आनंद सिंह खींची, राकेश पंड्या, दिनेश जाटवा, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष नीना चौहान, प्रमिला यादव, जितेंद्र

कृपलानी, प्रियंका सेंगर, सोनल जोशी सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित रही।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के बीच सेवा और जागरूकता के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने भी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और सामाजिक विविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

जानकारी भाजपा जिला मॉडिया प्रभारी दिनेश जाटवा ने दी।

37वीं मध्य प्रदेश स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में उज्जैन के मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, जीते 2 रजत और 4 कांस्य पदक



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर के एकलव्य स्टेडियम में 5 से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 37वीं मध्य प्रदेश स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन उज्जैन की टीम ने उत्कृष्ट

प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन उज्जैन के सचिव विशाल सिंह सोलंकी के नेतृत्व में उतरी उज्जैन की टीम ने रिंग में अपनी तकनीक और स्टैमिना का शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 6 पदक (2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज) अपने नाम किए। टीम का कुशल मार्गदर्शन टीम मैनेजर नैतिक पाटीदार एवं कोच संदीप पारगी ने किया।

पदक विजेता खिलाड़ियों की सूची-

रजत पदक-

- नीरज पटेल
- सोमराज राठौर
- कांस्य पदक-
- लकी गहलोत
- अर्णव पाटीदार
- कृष्णा पाटीदार
- जियाद खान

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रा जी ने दो विशेष बधाई- खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक और शानदार उपलब्धि पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रा जी ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं पूरी टीम को विशेष रूप से बधाई व शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि %उज्जैन में मुक्केबाजी खेल को निरंतर आगे बढ़ाने, खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करने और युवाओं की प्रतिभा को निखारने में एसोसिएशन का प्रयास और योगदान बेहद सराहनीय व प्रेरणादायक है।' डॉ. मिश्रा जी ने विश्वास जताया कि उज्जैन के ये युवा मुक्केबाज आगामी समय में देश का प्रतिनिधित्व कर विश्व पटल पर भारत का नाम रोशन करेंगे।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की ओर से शुभकामनाएं- इसके साथ ही मध्य प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष फगन सिंह कुलस्ते, मध्य प्रदेश सचिव सत्येंद्र सोनकर, उपाध्यक्ष विशाल राजौरिया, एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन उज्जैन के संरक्षक शिवप्रताप सिंह चौहान, चेयरमैन संजय सिंह बेस, जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह सिस्तीदिया, उपाध्यक्ष डॉ. अनुभव प्रधान, सह-सचिव गौरव रोकड़े एवं ऋषिका रायकवार ने सभी खिलाड़ियों, कोच एवं मैनेजर को बधाई व शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मनकक्ष केंद्र एवं आशाग्राम ट्रस्ट के नर्सिंग विद्यार्थियों ने दी नाट्य प्रस्तुति

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मन को साधना ही एक आराधना है हमारी परंपराएं एवं प्राचीन जीवन शैलियां कुछ इस तरह से संयुक्त परिवार के सामाजिक ताने-बाने में गुथी हुई थी कि परिवार के किसी भी सदस्य को शारीरिक या मानसिक पीड़ा का एहसास होने मात्र पर ही परिवार का कोई ना कोई सदस्य उस पर संज्ञान लेकर तुरंत उपचार करवा कर उसे निरोगी बनाने में योगदान देता था। आज का दौर एकल परिवार के साथ-साथ अस्त-वस्त जीवन शैली का है जिसमें अब परिवार के गिने चुने लोग ही रहते हैं और उनमें भी आपस में बातचीत का अभाव हो गया है। इन सभी का स्थान मोबाइल ने ले लिया है जो सुविधा से ज्यादा दुविधा खड़ी कर रहा है तथा मानसिक अवसाद को बढ़ा रहा है। उक्त बातें विश्व मासिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय के मनकक्ष केंद्र द्वारा चिकित्सालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मनोरोग विशेषज्ञ डॉ राहुल पाटीदार ने कहीं। सिविल सर्जन डॉ मनोज खन्ना के मार्गदर्शन में तथा आशाग्राम ट्रस्ट के समन्वय से आयोजित कार्यक्रम में आशा इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने पहला सुख निरोगी काया नाटक की सुंदर प्रस्तुति दी। नाटक का संयोजन आशा नर्सिंग इंस्टिट्यूट के प्रभारी डॉ संजय राठौर, एवं वाइस प्रिंसिपल ज्योति यादव के द्वारा किया गया। इस कार्य में प्राचार्य श्रीमती पल्लवी यादव, रश्मि चौहान, सोनिया पिपलिया, टीना चौहड़ श्री रमेश यादव का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

समूह से डेढ़ लाख का ऋण लेकर बनाया मुर्गी पालन शेड, शुरुआत 100 चूजों से, अब 500 चूजों का पोल्ट्री फार्म

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार के जरिए आत्मनिर्भर बन रही हैं। ऐसी ही कहानी विकासखंड कुंडम के ग्राम पड़रिया की दीपिका गोटीया की है। उन्होंने स्व-सहायता समूह से ऋण लेकर मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू किया और धीरे-धीरे इसका विस्तार किया। शुरुआत में 100 चूजों से शुरू हुआ उनका कारोबार अब 500 चूजों तक पहुंच



गया है। मुर्गी पालन के साथ वे चूजों की सलाई और पशु आहार की दुकान भी संचालित कर रही हैं। दीपिका वर्ष 2019 में सत्यसाई स्व-सहायता समूह से जुड़ी थीं। वर्ष

2024 में उन्होंने मुर्गी पालन शुरू करने का निर्णय लिया। इसके लिए समूह से डेढ़ लाख रुपए का ऋण लिया और करीब ढाई लाख रुपए की लागत से पोल्ट्री शेड तैयार किया। शुरुआत में 100 चूजों से काम शुरू किया। अनुभव और मेहनत के साथ व्यवसाय को आगे बढ़ाया और अब उनके पास 500 मुर्गियां व चूजों का पालन करने की व्यवस्था है। सोनाली नस्ल के मुर्गे-मुर्गियां



ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान को आदेशानुसार तथा आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन और सहायक आबकारी आयुक्त श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने लश्कर क्षेत्र के लाला का बाजार में एक रिहायशी मकान पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में शराब जब्त की। कार्रवाई के दौरान विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब, बीयर, वोदका और देशी मदिरा सहित कुल 92.07 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई। जब्त मदिरा का अनुमानित मूल्य करीब एक



लाख रुपये बताया गया है। विभिन्न ब्रांड की शराब जब्त आबकारी विभाग को मुखबिर से अवैध मदिरा के संबंध में सूचना मिली थी। इसके आधार पर टीम ने लाला का बाजार, लश्कर क्षेत्र स्थित मकान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान ब्लेंडर्स

सेवा संकल्प कार्यक्रमों से विकास के विभिन्न पहलुओं को जोड़ा जा रहा है : उप मुख्यमंत्री

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा के रंग घर से राष्ट्र तक, आभार और संकल्प की रंगोली' कार्यक्रम का आयोजन आज रानीताल स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने मुख्य रूप से सहभागिता की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, विरासत और विकास के विभिन्न पहलुओं को जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक, जब देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे, भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में अग्रणी बनाने और विश्वगुरु के रूप

में स्थापित करने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने विद्यार्थियों को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि युवाओं के लिए अनेक योजनाएं और कार्य किए गए हैं। आज आयोजित रंगोली और मानव श्रृंखला जैसे कार्यक्रम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए सामूहिक सहभागिता का संदेश देते हैं। उन्होंने तेज धूप के बावजूद कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और नागरिकों के उत्साह की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री देवड़ा ने नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि सभी स्वस्थ रहें, आगे बढ़ें और देश विकसित राष्ट्र बनकर विश्वगुरु के स्थान पर स्थापित हो।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप आयोजित यह सुंदर रंगोली कार्यक्रम सेवा संकल्प अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प के रूप में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों में अपनी प्राचीन विरासत से लेकर नवीनता और विकास तक के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में बच्चों द्वारा रंगोली के माध्यम से आभार और संकल्प की सुंदर अभिव्यक्ति की जा रही है। श्री सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आज अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर रहे ये बच्चे आने वाले समय में शहर, प्रदेश और देश के महत्वपूर्ण नागरिक के रूप में पहचान बनाएंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगोली और मानव श्रृंखला के माध्यम से सेवा, आभार और विकसित भारत के संकल्प को अभिव्यक्त किया। सभी अतिथियों ने भी मानव रंगोली निर्माण में शामिल विद्यार्थियों के साथ कार्यकर्ताओं में सहभागिता की। कार्यक्रम में सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद श्री आशीष दुवे, महापौर श्री जात बहादुर सिंह

अत्रु, विधायक श्री अजय विश्‍नोई, श्री अशोक रोहणी, श्री सुशील तिवारी ‘इंते’, डॉ. अभिलाष पांडे, एवं श्री नीरज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकुंश गोटिया, जेडपी अध्यक्ष श्री संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष श्री प्रशांत केसरवानी, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज बिज, नगर अध्यक्ष श्री रवेश सोनकर, ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, प्रदेश भाजपा कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, दिव्यांजन प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री संदीप रजक, श्रीमती स्वाति गोडबोले, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेंद्र जामदार, प्रदेश सह मॉडिया प्रभारी श्री क्रींतांत साहू, महामंत्री श्री पंकज दुवे, श्री रंजीत कार्तिक, श्री सोनू बचवानी, श्री प्रणीत वर्मा तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर कलेक्टर रविशंकर राय, एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ग्वालियर में आबकारी विभाग की कार्रवाई, रिहायशी मकान से 92.07 बल्क लीटर शराब जब्त

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान को आदेशानुसार तथा आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन और सहायक आबकारी आयुक्त श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने लश्कर क्षेत्र के लाला का बाजार में एक रिहायशी मकान पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में शराब जब्त की। कार्रवाई के दौरान विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब, बीयर, वोदका और देशी मदिरा सहित कुल 92.07 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई। जब्त मदिरा का अनुमानित मूल्य करीब एक

लाख रुपये बताया गया है। विभिन्न ब्रांड की शराब जब्त आबकारी विभाग को मुखबिर से अवैध मदिरा के संबंध में सूचना मिली थी। इसके आधार पर टीम ने लाला का बाजार, लश्कर क्षेत्र स्थित मकान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान ब्लेंडर्स

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय उज्जैन (अग्रणी महाविद्यालय-जिला उज्जैन) राष्ट्रीय स्तर पर नैक 'A' ग्रेड प्राप्त		
क्रमांक/ 1978/2026		
उज्जैन दिनांक 10/10/26		
संक्षिप्त विज्ञप्ति		
कार्यालय सचिव जनभागीदारी समिति एवं प्राचार्य, शासकीय कालिदास कन्या अग्रणी महाविद्यालय, उज्जैन जनभागीदारी समिति अंतर्गत स्व-वित्तीय पाठ्यक्रम शिक्षण कार्य हेतु आमंत्रण		
अकादमिक सत्र 2026-27 में महाविद्यालय में स्व-वित्तीय योजनान्तर्गत संचालित एम.कॉम पाठ्यक्रम में व्याख्यान हेतु अतिथि विद्वानों के आवेदन पत्र दिनांक 31 अक्टूबर 2026 सायं 05:00 बजे तक की अवधि में आमंत्रित किए जाते हैं। अतिथि विद्वानों की चयन प्रक्रिया तथा अर्हता मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल का पत्र क्रमांक एफ-1/1/201/2023/38-1 भोपाल दिनांक 05-10-2023 के नियमों के अनुरूप की जाएगी।		
विषय	पद संख्या	मानदेय प्रतिमाह
वाणिज्य	01	25000-00
आवेदन पत्र दिनांक 31 अक्टूबर 2026 सायं 05:00 बजे तक महाविद्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक द्वारा प्राचार्य शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, देवास गेट उज्जैन के नाम से इस महाविद्यालय को प्राप्त होने पर चयन हेतु सम्मिलित किया जायेगा।		
योग्यता एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी https://gkgc.ac.in/ अथवा महाविद्यालय प्रशासन से प्राप्त की जा सकती हैं।		
(डॉ. वंदना गुप्ता)		
प्राचार्य		
शा. कालिदास कन्या महाविद्यालय उज्जैन		

शनिचरी और सर्व पितृ अमावस्या के दुर्लभ संयोग में घाटों पर हुआ स्नान

सिद्धवट से त्रिवेणी तक पितरों के तर्पण-श्राद्ध का दौर- शनिदेव को चढ़ाया तेल , त्रिवेणी पर छोड़े गए कपड़े और जूते चप्पल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पितरों के तर्पण की आस्था, शनिदेव के दर्शन की आस और राजछया योग का दुर्लभ संयोग में शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या पर उज्जैन के घाटों पर श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। सिद्धवट से त्रिवेणी शनि मंदिर तक रात से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। कोई पितरों की शांति के लिए तर्पण-श्राद्ध करने पहुंचा, तो कोई शनिदेव को तेल चढ़ाकर मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करता नजर आया। वहीं घरों में भी पितरों का धूप ध्यान किया गया।

शनिवार को विशेष संयोग के बीच सुबह 5 बजे से ही सिद्धवट घाट पर पितृ कर्म शुरू हो गए। शिप्रा के घाटों पर स्नान, मंदिरों में दर्शन और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच पूरी धर्मनगरी आस्था के रंग में रंगी नजर आई। श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिन आज सर्वपितृ अमावस्या पर उन पितरों के निमित्त भी तर्पण और श्राद्ध किया जाता है, जिनकी मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है या किसी कारण से उनका श्राद्ध नहीं हो पाया। इसी मान्यता के चलते देशभर से श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। सिद्धवट घाट पर लोगों ने विधि-विधान से तर्पण किया और पितरों की आत्मशांति के लिए पूजा-अर्चना की। दूसरी ओर,

सेवा संकल्प अभियान ‘मेरे सपनों का भारत’ के अंतर्गत कालिदास कन्या महाविद्यालय में प्राकृतिक सामग्री से बनाई आकर्षक रंगोलियां



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान ‘मेरे सपनों का भारत’ के अंतर्गत शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में रंगोली राष्ट्र-प्राकृतिक सामग्री से जनकल्याणकारी योजनाएं, राष्ट्रीय प्रतीक एवं विकसित भारत का सपना विषय पर रंगोली निर्माण गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करते हुए विभिन्न राष्ट्रीय प्रतीकों तथा विकसित भारत की

उज्जैन-बड़नगर मार्ग पर आयशर-कार की भिड़ंत



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर-उज्जैन मार्ग पर शुक्रवार रात आयशर-कार की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद आयशर पलटने से मार्ग पर जाम के हालत बन गये। घटना में किसी को चोट नहीं आई, आयशर चालक की गलती होने पर पुलिस ने कार चालक की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है।

चिंतमाण थाना पुलिस ने बताया कि शाम 7.30 बजे के उज्जैन-बड़नगर मार्ग गंधीर नदी पुलिया से पहले नलवा में कार आयशर के बीच भिड़ंत हो गई थी। आयशर चालक मोबाइल पर बात करते हुये ड्रायवंग कर रहा था। जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और आयशर पलट गई। उसमें तेल के डिब्बे भरे थे जो सड़क पर बिखर गये। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की डायल 112 गैिके पर पहुंच गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि कार में अमन मालवीय निवासी ग्राम कोलूखेड़ा और उसके साथी सवार थे जो अपने गांव लौट रहे थे। आयशर उज्जैन की ओर आ रही थी जिसका चालक भाग निकला था। कार क्षतिग्रस्त होने पर चालक की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है। दुर्घटना में कोई जनहानि होना सामने नहीं आया है, लेकिन कुछ देर के लिये उज्जैन-बड़नगर मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई थी। तेल के डिब्बे सड़क पर बिखर गये थे। जिसकी सुरक्षा को लेकर पुलिस तैनात की गई थी। चालक के सामने आने पर पता चलेगा कि आयशर कहाँ से आ रही थी और कहाँ जा रही थी।

आयुष्मान योजना से मनोहर सिंह को मिली राहत, सप्ताह में दो बार निःशुल्क हो रहा डायलिसिस



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले की तथाना तहसील के ग्राम पंचोला निवासी 25 वर्षीय मनोहर सिंह किडनी की बीमारी और उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले मनोहर सिंह को बीमारी के कारण काफी

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

निजी अस्पताल में सप्ताह में दो बार डायलिसिस करवाने पर 3 से 4 हजार रुपये खर्च हो रहे थे, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित होने लगी। इसी दौरान क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने परिजनों को आयुष्मान भारत निरामयय योजना की

जानकारी दी।

इसके बाद जिला चिकित्सालय उज्जैन में मनोहर सिंह का योजना के अंतर्गत पंजीकरण किया गया।

वर्तमान में सविल अस्पताल माधवनगर उज्जैन की डायलिसिस यूनिट में उनका सप्ताह में दो बार निःशुल्क

डायलिसिस किया जा रहा है।

योजना से परिवार को आर्थिक राहत मिली है। नियमित डायलिसिस से मनोहर सिंह पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। उनके परिवार को उम्मीद है कि स्वास्थ्य में सुधार होने से वे फिर से अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभा सकेंगे।

जयलिसिस किया जा रहा है।

योजना से परिवार को आर्थिक राहत मिली है। नियमित डायलिसिस से मनोहर सिंह पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। उनके परिवार को उम्मीद है कि स्वास्थ्य में सुधार होने से वे फिर से अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभा सकेंगे।

दुर्घटना में घायल युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नानाखेड़ा क्षेत्र में हुई दुर्घटना में घायल युवक को अस्पताल लाया गया था जहां उसकी मौत हो गई। दुर्घटना अज्ञात वाहन से होना सामने आ रहा है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नानाखेड़ा बस स्टैंड क्षेत्र में शनिवार देर शाम एक युवक घायल हालत में मिला था जिसे उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया। लोगों द्वारा बताया गया कि युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी। पुलिस ने उसकी जानकारी जुटाई तो इंगोरिया का रहने वाला दीपेश पिता मुकेश बागवान 18 वर्ष होना सामने आया उसकी हालत गंभीर बनी थी थी परिवजनों को सूचना दी गई। रात में परिजन अस्पताल पहुंचने उससे पहले घायल युवक की मौत हो गई। नानाखेड़ा थाना पुलिस में मामला जांच में लिया और मुक्त का पोस्टमार्टम कराया बस स्टैंड क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे देखकर घटना की जानकारी का पता लगाया जाएगा।

वजै सिंह पंवार के डायलिसिस का खर्च शुन्य हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लसुडिया श्रीपत महिंदपुर निवासी वजैसिंह पंवार को किडनी की समस्या हुई और उन्हें डायलिसिस करवाना पड़ रही है। वे निजि अस्पताल में जाकर बार-बार डायलिसिस का खर्चा जो की 3 से 4 हजार रूपए आता था वहन कर रहे थे। जब उन्हें पता चला की सरकारी अस्पताल में जाकर निशुल्क डायलिसिस होगा तो वे माधव नगर सिविल अस्पताल में जाकर संपर्क किया। यहां डॉक्टर अंकिता अग्नेय उनका उपचार किया तथा आयुष्मान योजना के तहत उन्हें निशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध करवाई। अब आयुष्मान योजना के कारण प्रत्येक डायलिसिस पर उन्हें कुछ भी खर्चा नहीं लगता है। वजै सिंह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आयुष्मान योजना लागु करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते है।

16 दिन दूध चढ़ता रहा, सफाई करना भूल गया नगर निगम

गया कोठा मंदिर में सड़ रहा दूध, चारों ओर फैली दुर्गंध- बदबू के बीच पितरों को प्रसन्न करने की पूजा, सिद्धवट पर भी गंदगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पितरों को दूध-जल अर्पित करने के लिए 16 दिन तक गया कोठा में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। लोगों ने पूरी श्रद्धा से दूध और जल चढ़ाया, लेकिन नगर निगम को यहां सफाई की सुध तक नहीं आई। नतीजा यह कि मंदिर के पास जमा दूध सड़ गया और अब पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। बदबू के बीच ही पितरों को प्रसन्न करने के लिए पूजा-पाठ जारी है। यहीं हाल सिद्धवट का भी है, जहां घाट पर गंदगी फैली हुई है।

श्राद्ध पक्ष में गया कोठा का विशेष महत्व है। यहां फल्गु नदी का कुंड, सप्तऋषियों की प्रतिमाएं और भगवान विष्णु के चरण हैं। मान्यता है कि यहां दूध, जल, काले तिल और पुष्प अर्पित करने से पितरों को तुषि मिलती है। इसी आस्था के चलते श्राद्ध पक्ष के 16 दिनों में शहर सहित बाहर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने यहां पूजन-अर्चन किया। दूध चढ़ाने

वालों की लगातार भीड़ रही, लेकिन चढ़ाए गए दूध की निकासी और नियमित सफाई की व्यवस्था नहीं हो सकी।

कुंड के पास जमा दूध सड़ा, बदबू फैली...- दूध की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से कुंड के पास दूध जमा होता रहा। जमीन में समाने और सफाई के भरोसे छोड़ा गया दूध अब पूरी तरह खराब हो चुका है। इससे मंदिर के आसपास दुर्गंध फैल रही है। इसके बावजूद नगर निगम की ओर से विशेष सफाई व्यवस्था नहीं की गई। मंदिर के आसपास गंदगी पसरी हुई है और श्रद्धालुओं को इसी माहौल में पूजा करनी पड़ रही है।

बदबू के बीच रोजी-रोटी चलाने की मजबूरी- गया कोठा के आसपास ठेले लगाने वाले दुकानदार भी दुर्गंध से परेशान हैं। उनका कहना है कि कई दिनों से बदबू के बीच कारोबार करना पड़

रहा है। रोजी-रोटी का सवाल है, इसलिए मजबूरी में यहां बैठना पड़ता है। श्राद्ध पक्ष जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन के दौरान भी सफाई की समुचित व्यवस्था नहीं होने से श्रद्धालुओं और दुकानदारों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

सिद्धवट पर भी सफाई के इंतजाम नाकाफी- पितरों के तर्पण और श्राद्ध के लिए प्रसिद्ध सिद्धवट पर भी घाट के आसपास गंदगी फैली हुई है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सफाई के विशेष इंतजाम किए जाने चाहिए थे, लेकिन हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। गया कोठा से लेकर सिद्धवट तक फैली गंदगी ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। धार्मिक महत्व के इन स्थलों पर पर्व के दौरान भी नियमित सफाई नहीं होना व्यवस्था की लापरवाही उजागर करता है।

महाकाल मंदिर में ई-कार्ट सेवा पर सवाल, आम श्रद्धालु कर रहे पैदल सफर

से अधिक ई-कार्ट के बावजूद बुजुर्गों और दिव्यांगों को परेशानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शुरू की गई ई-कार्ट सेवा के संचालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कुछ श्रद्धालुओं का कहना है कि उन्हें इस सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जबकि बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाएं और छोटे बच्चों के साथ आए परिवारों को लंबी दूरी पैदल तय करनी पड़ रही है। श्रद्धालुओं के अनुसार, कुछ ई-कार्ट वीआईपी मेहमानों की आवाजाही में लगी रहती हैं, जिससे आम दर्शनार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर समिति ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत आम श्रद्धालुओं के वाहनों की एंट्री करीब एक किलोमीटर पहले ही रोक रखी है। नीलकंठ द्वार, त्रिवेणी संग्रहालय और हरसिद्धि चौराहे से आगे दर्शनार्थियों को पैदल जाना पड़ता है। इन्हीं लोगों की सुविधा के लिए विभिन्न सामाजिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं ने मंदिर समिति को 40 से अधिक ई-कार्ट उपलब्ध कराई थीं, ताकि बुजुर्ग, दिव्यांग और जरूरतमंद श्रद्धालुओं को मानसरोवर और शंकर द्वार तक आसानी से पहुंचाया जा सके। हालांकि, कुछ श्रद्धालुओं ने शिकायत

की है कि उन्हें जरूरत के समय ई-कार्ट की सुविधा नहीं मिल पाती। उनका कहना है कि कई बार ई-कार्ट वीआईपी इ्यूटी पर होने की बात कहकर उन्हें बैठाने से मना कर दिया जाता है। कुछ श्रद्धालुओं ने ई-कार्ट चालकों और सुरक्षा कर्मियों के व्यवहार को लेकर भी नाराजगी जताई है। उनका आरोप है कि बैठाने का अनुरोध करने या इस संबंध में सवाल पूछने पर कभी-कभी संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। हालांकि, इन शिकायतों के संबंध में मंदिर समिति का पक्ष सामने आना बाकी है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि ई-कार्ट सेवा आम दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए शुरू की गई है तो इसके संचालन में बुजुर्गों, दिव्यांगों और चलने में असमर्थ लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनका मानना ​​है कि वीआईपी इ्यूटी और आम श्रद्धालुओं की जरूरतों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर इस सुविधा का अधिक प्रभावी उपयोग किया जा सकता है। श्रद्धालुओं ने मंदिर समिति से ई-कार्ट के संचालन की व्यवस्था स्पष्ट करने, जरूरतमंदों को प्राथमिकता देने और शिकायतों के समाधान के लिए उचित व्यवस्था बनाने की मांग की है।

मकान छीनने की धमकी मिली तो ड्राइवर ने खाया जहर



बात कही है।

नरवर थाना क्षेत्र के खजुरिया रेहवारी में रहने वाला घनश्याम पिता भागीरथ पाटीदार 50 साल ड्राइवर था। 2 साल पहले उसने पुत्र सोनू के ससुराल में रहने वाले वकील नाथ और उसके पुत्र दादू से 2 लाख रुपए उधार लिए थे। बदले में 3 लाख लौट चुका था बावजूद उसकी लांछिण गाड़ी उधार देने वाले पिता पुत्र ने छीन ली थी। कुछ दिनों से दोनों मकान छीनने और पुत्र को बंधक बनाने की धमकी दे रहे थे। 8 अक्टूबर को घनश्याम ने जहर खा लिया था हालत बिगड़ने पर अपने दामाद कबीर को कॉल किया। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां निजी अस्पताल में दो दिन चले उपचार के बाद रात में घनश्याम की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पुत्र सोनू ने वकील नाथ और उसके पुत्र पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। नरवर पुलिस द्वारा परिजनों के बयान दर्ज कर जांच की बात कही है।

मजदूर ने भी मौत को लगाया गले

छोटी मायापुरी में रहने वाला मुकेश पिता जगदीश चावला 51 साल मजदूरी करता था। शुक्रवार शाम उसने जीरो पाइंट ब्रिज पर जहर खा लिया और पुत्र को कॉल किया। परिवार मुकेश को अस्पताल लेकर पहुंचा लेकिन रात में उसकी मौत हो गई। मामले में माधव नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है फिलहाल मुकेश द्वारा उठाए गए कदम की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ पाई है परिजन कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं थे।